



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-02052024-254005
CG-DL-E-02052024-254005

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 120]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 1, 2024/वैशाख 11, 1946

No. 120]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 1, 2024/VAISAKHA 11, 1946

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मई, 2024

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. और जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "ट्राइक्लोरो आसोसाइन्यूरिक एसिड" के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

क. **मामले की पृष्ठभूमि**

फा. सं. 06/20/2023-डीजीटीआर..—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (इसके बाद इसे "अधिनियम" के रूप में कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित तत्संबंधी सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (इसके बाद इसे "पाटनरोधी नियमावली" अथवा "नियमावली" के रूप में कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए,

1. जबकि, बोडल कैमिकल्स लिमिटेड (इसके बाद इसे "आवेदक" अथवा "घरेलू उद्योग" के रूप में कहा गया है) ने चीन और जापान (इसके बाद इन्हें "संबद्ध देश" के रूप में भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ट्राइक्लोरो आइसोसाइन्यूरिक एसिड (इसके बाद इसे "विचाराधीन उत्पाद" अथवा "संबद्ध वस्तुएं" अथवा

“टीसीसीए” के रूप में भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में एक पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन दायर किया।

2. और जबकि, आवेदक द्वारा दायर किए गए विधिवत प्रमाणित आवेदन को देखते हुए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी मात्रा की सिफारिश करने के लिए, जिसे यदि लगाया जाता है, तो घरेलू उद्योग की कथित क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार, चीन जन. गण. और जापान से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में एक पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 30 सितंबर, 2023 की अधिसूचना सं. 6/20/2023-डीजीटीआर के तहत भारत के राजपत्र में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

ख. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में नीचे दी गई प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :

- क. प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच पर आगे कार्यवाही शुरू करने से पूर्व वर्तमान पाटनरोधी आवेदन प्राप्त होने के संबंध में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात के संबंध में एक पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत में राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 30 सितंबर, 2023 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- ग. प्राधिकारी ने भारत में उनके दूतावासों के माध्यम से संबद्ध देशों की सरकारों, संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं और आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार घरेलू और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को जांच शुरूआत अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- घ. प्राधिकारी ने ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों के माध्यम से उनकी सरकारों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति आवश्यकता के अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की थी।
- ड. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं को तथा आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार अन्य भारतीय उत्पादकों और घरेलू उद्योग को, जांच शुरू करने की अधिसूचना के 30 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने के लिए अनुरोध किया। प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, संगत सूचना प्रकट करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी :
 - i. केमी इंडस्ट्रियल कं. लिमि.
 - ii. हेबई जिहेंग केमिकल कं. लिमि.
 - iii. शेडोंग लांटियन डिसइंफैक्शन टेक्नोलॉजी
 - iv. जुचेंग ताइशेंग केमिकल कं. लिमि.
 - v. निस्सेई कॉर्पोरेशन
 - vi. किंगदाओ चेंगकांग केमिकल कंपनी
 - vii. एगुआटेक इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड
 - viii. रोंडा इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड

- ix. रिझाओ हाओमियाओ बायोटेक्नोलॉजी कं. लिमि.
- x. हेनान सिनोविन केमिकल इंडस्ट्री कं. लिमि.
- च. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को उनके देश से निर्यातकों/ उत्पादकों को परामर्श देने का अनुरोध किया गया था ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर दिया जाए।
- छ. संबद्ध जांच शुरू होने की अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों ने एक प्रश्नावली उत्तर दाखिल करके उत्तर दिया है :
- शेडोंग डेमिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - किंगदाओ प्रोफेलिज बायोलॉजिकल टेक्नोलॉजी कं. लिमि.
 - हांगकांग सीयन इंटरनेशनल लिमिटेड
 - शेडोंग लांटियन डिस्ट्रिक्ट टेक्नोलॉजी कं. लिमि.
 - पुयांगक्लीनवे केमिकल्स लिमि.
 - शेडोंग गोल्डनस्टार वाटर एन्वायरमेंट टेक्नोलॉजी कं. लिमि.
 - हेबेई जिंगफेई केमिकल कंपनी लिमिटेड
 - नेस्सेई कार्पोरेशन
- ज. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना की मांग करके भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं को आयातक की प्रश्नावली भेजी :
- गणेश केम इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
 - एक्यूरो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड
 - केशव हिचेम प्राइवेट लिमिटेड
 - पारी केम रिसोर्सेज एलएलपी
 - पद्मा पॉलिमर
 - केमॉक्स कार्पोरेशन
 - फीनिक्स ओवरसीज लिमिटेड
 - क्लासिक कैमिकल्स
 - पवार केमिकल्स
 - पी आर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
 - भारत ज्योति इम्पेक्स
 - श्री केमिकल्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
- झ. जांच शुरुआत अधिसूचना और आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति निम्नलिखित एसोसिएशनों को भेजी गई :
- एफआईआईओ
 - एफआईसीओ

- iii. एसोचेम
- iv. सीआईआई
- ज. जांच शुरू होने की अधिसूचना तथा आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति दिनांक 6 अक्टूबर, 2023 को निम्नलिखित मंत्रालयों को भेजी गई थी, तथापि, प्राधिकारी को कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है :
 - 1. रसायन और पेट्रोसायन विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय
 - 2. वस्त्र मंत्रालय
 - 3. उपभोक्ता मामले मंत्रालय
- ट. संबद्ध जांच शुरू होने की अधिसूचना के उत्तर में, संबद्ध देशों से निम्नलिखित आयातकों/ प्रयोक्ताओं ने एक प्रश्नावली उत्तर दाखिल करके उत्तर दिया है :
 - i. निसान एग्रो टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
 - ii. केशव बायोकेम प्राइवेट लिमिटेड
- ठ. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड की गई थी, जिसके साथ ही सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उनके अनुरोधों का अगोपनीय पाठ ईमेल करने का अनुरोध किया गया था।
- ड. क्षति अवधि और साथ ही जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के सौदा-वार ब्यौरे प्रदान करने के लिए डीजी सिस्टम को अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने सौदों की विधिवत जांच करने के बाद आयातों की मात्रा की गणना तथा अपेक्षित विश्लेषण के लिए डीजीएस के डेटा पर भरोसा किया है।
- ढ. सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उन्हें बनाने व बेचने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की गणना की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- ण. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 (12 माह) की है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2019-20, 2020-21, 2021-22 और जांच की अवधि शामिल है।
- त. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस जांच के दौरान किए गए अनुरोध, जो साक्ष्य के साथ किए गए थे और वर्तमान जांच के लिए संगत पाए गए, उन पर इन प्रारंभिक जांच परिणामों में समुचित रूप से विचार किया गया है।
- थ. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना के गोपनीय के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने आवश्यकता के अनुसार, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों के, गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ प्रदान करने का निदेश दिया गया था।
- द. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने सूचना सुलभ कराने से इंकार किया है अथवा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना अन्यथा प्रदान नहीं की है अथवा जांच को पर्याप्त रूप से छिपाया है, तो प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विचारों/ टिप्पणियों को दर्ज किया है।

- ध. दिनांक 9 नवंबर, 2023 को, प्राधिकारी ने वर्चुअल बैठक आयोजित की है, जहां सभी हितबद्ध पक्षकारों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे और पीसीएन पद्धति पर अपनी टिप्पणियां देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- न. प्राधिकारी ने उठाए गए सभी तर्कों और इस अवस्था में सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना पर वर्तमान जांच के लिए साक्ष्य के साथ होने और वर्तमान जांच के लिए संगत पाए गए अनुसार विचार किया है। प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य संबंधी दस्तावेजों की आगे जांच करेंगे, जो अंतिम जांच परिणामों के समय निष्कर्षों के लिए आधार बनेगा।
- प. इस जांच में *** गोपनीय आधार पर एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और इस पर नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
- फ. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 यूएस डॉलर = 81.06 रु. है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच शुरुआत की अवस्था में, विचाराधीन उत्पाद को "ट्राइक्लोरो आइसोसाइन्यूरिक एसिड" के रूप में परिभाषित किया गया था, जिसे टीसीसीए के रूप में भी संदर्भित किया गया है।

"3. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद ("पीयूसी") "ट्राइक्लोरो आइसोसाइन्यूरिक एसिड" है जिसे आगे टीसीसीए भी कहा गया है। टीसीसीए एक रासायनिक यौगिक है जिसे आम तौर पर डिसइंफैक्टेंट, ब्लीचिंग एजेंट और जल उपचार रसायन के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह एक सफेद क्रिस्टलीय पाउडर होता है जिसमें तेज क्लोरीन की गंध होती है। टीसीसीए एक शक्तिशाली ऑक्सीकरण एजेंट है और इसे व्यापक रूप से स्विमिंग पूल तथा औद्योगिक जल उपचार और स्वच्छता में प्रयोग किया जाता है।"

टीसीसीए एक डिसइंफैक्टेंट, कोई नाशक और बैक्टीरिया नाशक है जिसे मुख्यतः स्विमिंग पूल और डार्ड स्टाफ में प्रयोग किया जाता है। इसे वस्त्र उद्योग में ब्लीचिंग एजेंट के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसे पूल और स्पा में सामान्य सफाई, पशुपालन और मछली पालन में रोगों की रोकथाम और उपचार, फल और सब्जी संरक्षण, अपशिष्ट जल उपचार के रूप में व्यापक रूप से, उद्योग में और वातानुकूलन में पुनः चक्रित जल के लिए कोई नाशक, ऊनी कपड़ों के लिए सिकुड़नरोधी उपचार, बीजों के उपचार और कार्बनिक रसायन सिंथेटिक में प्रयोग किया जाता है।

विचाराधीन उत्पाद को अध्याय 29 के टैरिफ कोडों 29336910 तथा 29336990 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।"

ग.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

5. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पाद टाइप और पैकेजिंग (टेबलेट, ग्रेन्यूलर और पाउडर) के आधार पर विचाराधीन उत्पाद के लिए निम्नलिखित पीसीएन पद्धति का प्रस्ताव किया है:

फील्ड विवरण	फील्ड फॉर्मेट	मूल्य	स्पष्टीकरण
उत्पाद टाइप	टैक्स्ट	1	पी = पाउडर
			जी = ग्रेन्यूलर
			टी = टेबलेट
			ओ = अन्य
यदि टेबलेट, आठ/ टेबलेट	संख्या या टेक्स्ट	1	1 = 200 ग्राम की टेबलेट
			2 = 1-199 ग्राम की टेबलेट

			3 = अन्य टेबलेट
			4 = 5-8 मेश
			5 = 8-30 मेश
			6 = अन्य मेश
यदि ग्रेन्युलर, मेश/ ग्रेन्युलर			पी = पाउडर
पाउडर के लिए, पी को इंगित करें			
			01 = 1000 कि.ग्रा. का पैकेज
			02 = केवल 25 कि.ग्रा. के छोटे थैले
			03 = 25 कि.ग्रा. के प्लास्टिक ड्रम केन अथवा कोई अन्य सिलेंडर केवल
			04 = 25 कि.ग्रा. के प्लास्टिक ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में 1 कि.ग्रा के थैले
			05 = 25 कि.ग्रा. के प्लास्टिक ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में एक टेबलेट
			06 = 25 कि.ग्रा. के प्लास्टिक ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में एक टेबलेट
			07 = 50 कि.ग्रा. कार्बन/ फाइबर ड्रम, केन अथवा कोई अन्य सिलेंडर
			08 = 50 कि.ग्रा. कार्बन/ फाइबर ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में 1 कि.ग्रा. थैला
			09 = 50 कि.ग्रा. कार्बन/ फाइबर ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में एक टेबलेट
			10 = 50 कि.ग्रा. कार्बन/ फाइबर ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में 1 कि.ग्रा. ट्यूब
			11 = 50 कि.ग्रा. प्लास्टिक ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में
			12 = 50 कि.ग्रा. के प्लास्टिक ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में 1 कि.ग्रा. का थैला
			13 = 50 कि.ग्रा. में प्लास्टिक ड्रम, केन अथवा किसी अन्य विश्लेषण में 1 कि.ग्रा. ट्यूब
			14 = 50 कि.ग्रा. के प्लास्टिक/ड्रम, केन अथवा किसी अन्य सिलेंडर में 1 कि.ग्रा. ट्यूब
			15 = अन्य
पैकेजिंग	संख्या	2	

ग.2. घरेलू उद्योग के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध इस प्रकार हैं:
- पाउडर, ग्रेन्युलर और टेबलेट के लिए एक पीसीएन बनाने की आवश्यकता नहीं है।
 - टेबलेट और ग्रेन्युलर के बीच कोई सतत अंतर नहीं है।
 - पाउडर बनाने के बाद ग्रेन्युलर और टेबलेट की लागत में कोई बड़ा अंतर नहीं है।
 - ग्रेन्युलर के निर्माण के समय मेश साइज प्राप्त किया जाता है और विभिन्न मेश साइज के लिए पाउडर से ग्रेन्युलर बनाने की लागत में अंतर में बड़ा अंतर नहीं होता।
 - दाने (ग्रेनुलेशन) की अवस्था में कोई कच्ची सामग्री शामिल नहीं की जाती और इसमें आई लागत केवल बिजली और मजदूरी प्रभारों की है।
 - उत्पादन की लागत का निर्धारण पैकिंग लागत को निकालकर किया जाना चाहिए और कीमत समायोजन को प्राधिकारी की विगत जांचों, डीजीटीआर द्वारा जारी की गई निर्यातक प्रश्नावली तथा यूएसए, यूरोपीय संघ, आस्ट्रेलिया और तर्की जैसे विभिन्न क्षेत्राधिकारों द्वारा जारी की गई निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार पैकिंग के लिए स्वीकार किया जाना चाहिए, जहां पर पैकिंग को कीमत अंतर के लिए समायोजन को एक मद के रूप में माना गया है।

ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

- प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद और पीसीएन के दायरे के संबंध में अपने अनुरोध दाखिल करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान किया था। इसके अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकारों को उनकी प्रस्तावित पीसीएन पद्धति में सुझाव दिए गए अनुसार भिन्न मापदंडों और मूल्यों के लिए लागत और बिक्री कीमत के अंतर का ब्यौरा प्रदान करने के लिए कहा गया था।
- चीन जन. गण. से “किनदाओ प्रोफोलिज बायलॉजिकल टेक्नोलॉजी कं. लि.”, “शानडोंग लांटियन डिसइंफेक्शन टेक्नोलॉजी कं. लिमि.”, और “हांगकांग सीयन इंटरनेशनल लिमिटेड” द्वारा टिप्पणियां दाखिल की गई थीं और उक्त उत्पादों/ निर्यातकों ने विचाराधीन उत्पाद के लिए कतिपय पीसीएन का प्रस्ताव किया। तथापि, उत्पादकों/ निर्यातकों ने प्रस्तावित विभिन्न पीसीएन के बीच लागत और कीमत संबंध अंतर होने का उचित स्पष्टीकरण प्रदान नहीं किया।
- घरेलू उद्योग से उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित पीसीएन में लागत और कीमत के संबंध में अंतर पर अपनी टिप्पणियां देने के लिए भी कहा गया था। घरेलू उद्योग के उत्तर के अनुसार, विभिन्न मेश आकारों के लिए पाउडर से ग्रेन्युलर की लागत में अंतर में वास्तविक अंतर नहीं है। चूंकि ग्रेन्युलर की अवस्था में कोई कच्ची सामग्री नहीं मिलाई जाती, केवल विद्युत और मजदूरी के प्रभारों पर ही खर्च होता है। घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया कि आयात संबंधी डेटा के अनुसार, संबद्ध वस्तुएं केवल ग्रेन्युलर और टेबलेट के रूप में ही आयात की जाती हैं और यह कि कीमतों के बीच कोई तर्कसंगत अंतर नहीं होता। टेबलेट का आयात कई माह में ग्रेन्युलर से नीचे की कीमत पर और कई माह में ग्रेन्युलर से अधिक कीमत पर किया गया है। विभिन्न मेश साइज के बीच कोई लागत संबंधी अंतर नहीं है। इस प्रकार, विभिन्न मेश साइज की लागत में अंतर, भिन्न पीसीएन के निर्माण के लिए काफी अपर्याप्त है।
- हितबद्ध पक्षकारों द्वारा आपूर्ति की गई सूचना के आधार पर, प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष दिया कि विभिन्न उत्पाद रूपों के बीच महत्वपूर्ण लागत/ कीमत संबंधी अंतर सुझाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि पैकिंग लागत में अंतर पीसीएन के घटक के रूप में मानने की आवश्यकता नहीं है। हितबद्ध पक्षकार उत्पाद की कीमत के लिए एक समायोजन के रूप में उसका दावा कर सकते हैं।
- तदनुसार, दिनांक 3 जनवरी, 2024 की अधिसूचना फा. सं. 6/20/2023-डीजीटीआर के तहत प्राधिकारी ने यह अधिसूचित किया कि जैसा कि जांच शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित किया गया है, विचाराधीन उत्पाद के दायरे में कोई अंतर नहीं है और संबद्ध जांच में पीसीएन पद्धति की कोई जरूरत नहीं है।
- तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद के दायरे को अनंतिम रूप से निर्धारित किया गया है जो इस प्रकार है :

- “3. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद (“पीयूसी”) “ट्राइक्लोरो आइसोसुलोनूरिक एसिड” है जिसे आगे टीसीसीए भी कहा गया है। टीसीसीए एक रासायनिक यौगिक है जिसे आम तौर पर डिसाइफैक्टेंट, ब्लीचिंग एजेंट और जल उपचार रसायन के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह एक सफेद क्रिस्टलीय पाउडर होता है जिसमें तेज क्लोरीन की गंध होती है। टीसीसीए एक शक्तिशाली ऑक्सीकरण एजेंट है और इसे व्यापक रूप से स्विमिंग पूल तथा औद्योगिक जल उपचार और स्वच्छता में प्रयोग किया जाता है।” इसे पाउडर, टेबलेट और ग्रेन्यूलर के रूप में उत्पादित किया जा सकता है।

टीसीसीए एक डिसाइफैक्टेंट, कोई नाशक और बैक्टीरिया नाशक है जिसे मुख्यतः स्विमिंग पूल और डाई स्टाफ में प्रयोग किया जाता है। इसे वस्त्र उद्योग में ब्लीचिंग एजेंट के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसे पूल और स्पा में सामान्य सफाई, पशुपालन और मछली पालन में रोगों की रोकथाम और उपचार, फल और सब्जी संरक्षण, अपशिष्ट जल उपचार के रूप में व्यापक रूप से, उद्योग में और वातानुकूलन में पुनः चक्रित जल के लिए कोई नाशक, ऊनी कपड़ों के लिए सिकुड़नरोधी उपचार, बीजों के उपचार और कार्बनिक रसायन सिंथेटिक में प्रयोग किया जाता है।

विचाराधीन उत्पाद अध्याय 29 के टैरिफ कोडों 29336910 तथा 29336990 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।”

घ. घरेलू उद्योग का दायरा और आधार

घ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

13. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग के दायरे और आधार के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किए हैं।

घ.2. घरेलू उद्योग के विचार

14. घरेलू उद्योग के दायरे और आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :

- वर्तमान आवेदन बोर्डल कैमिकल्स लि. (बीसीएल) द्वारा दाखिल किया गया है, जो कि भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है।
- संबद्ध वस्तुओं के लिए संयंत्र की स्थापना ट्रायोन कैमिकल्स प्रा. लिमि. द्वारा की गई थी और बीसीएल ने ट्रायोन कैमिकल्स प्रा. लिमि. में 100% हिस्सेदारी अर्जित की है।
- घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों और संबद्ध देशों से आयात की गई वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है।
- घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है और यह संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातक संबद्ध नहीं है।

घ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

15. घरेलू उद्योग को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत इस प्रकार से परिभाषित किया गया है :

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

16. यह आवेदन बोर्डल कैमिकल्स लि. (बीसीएल) द्वारा दाखिल किया गया है। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तुओं की एकमात्र उत्पादक है। संयंत्र की स्थापना ट्रायोन कैमिकल्स प्रा. लि. द्वारा की गई थी और बीसीएल ने कंपनी में 100% हिस्सेदारी अर्जित की। कंपनी ने *** को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया था।

17. आवेदकों ने यह कहा है कि उन्होंने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है और वे संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातक से संबद्ध नहीं हैं। इसके अलावा, आवेदक के उत्पादन में कुल घरेलू उत्पादन का समग्र हिस्सा शामिल है। इस प्रकार से आवेदक घरेलू उद्योग है, जैसा कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत परिभाषित किया गया है और आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के संदर्भ में आधार की अपेक्षा को पूरा करता है।

ड. गोपनीयता

ड.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

18. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई गोपनीयता के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया गया है। तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध के संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है :
- उत्पादकों/ निर्यातकों ने उत्पादों और उत्पादन की मात्रा की एक सूची प्रदान की है जबकि घरेलू उद्योग ने आवेदक के अगोपनीय पत्र में उनके द्वारा बेचे गए उत्पादों का ब्यौरा प्रदान नहीं किया है।
 - उत्पादकों/ निर्यातकों ने अपने प्रश्नावली उत्तर में संगत पक्षकारों को प्रकट किया है।
 - उत्पादकों/ निर्यातकों ने उत्पादन प्रक्रिया प्रदान की है।
 - चूंकि उत्पादकों/ निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति का दावा नहीं किया है, अतः कच्ची सामग्रियों के संबंध में ब्यौरे सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए संगत नहीं हैं। भारत को निर्यातों के लिए सूचित किए गए व्यय/ समायोजन वास्तविक आधार पर किए जाते हैं।
 - भारत के लिए निर्यातों के संबंध में सूचना, जिसमें आयातकों का ब्यौरा शामिल है और समायोजन कारोबारी रूप से अत्यधिक संवेदनशील सूचना है और इसका प्रकटीकरण होने के गंभीर परिणाम होंगे।

ड.2. घरेलू उद्योग के विचार

19. घरेलू उद्योग ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा की गई गोपनीयता के संबंध में कोई भी अनुरोध नहीं किया है :
- उत्पादकों/ निर्यातकों ने यह दावा किया है कि उत्पादित उत्पादों और बेचे गए उत्पादों के नाम गोपनीय हैं।
 - उत्पादकों/ निर्यातकों ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में लगे संगत पक्षकारों के संबंध में सूचना के गोपनीय होने का दावा किया है।
 - उत्पादकों/ निर्यातकों ने यह दावा किया है कि व्यापक स्थिति-वार उत्पादन प्रक्रिया का विवरण और संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में प्रयुक्त कच्ची सामग्रियां गोपनीय होने का दावा किया गया है।
 - उत्पादकों/ निर्यातकों ने संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के लिए वितरण के माध्यम का दावा किया है, जिसके गोपनीय होने का दावा किया गया है।
 - उत्पादकों/ निर्यातकों ने कतिपय समायोजनों के लिए प्रयुक्त पद्धति के गोपनीय होने का दावा किया गया है।
 - उत्पादकों/ निर्यातकों ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं बिना किसी साक्ष्य अथवा सूचना के गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करती।

ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के तहत सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न पक्षकारों द्वारा प्रकाशित की गई सूचना का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।
21. सूचना की गोपनीयता के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के तहत निम्नलिखित प्रावधान हैं :

“गोपनीय सूचना : (1) नियम 6 के उप नियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 15 के उप नियम (4) और नियम 17 के उप नियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उप नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

22. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना के संबंध में, ऐसे दावों की पर्याप्ता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने आवश्यकता के अनुसार गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना का प्रयाप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया था। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अपनी कारोबारी दृष्टि से संवेदनशील सूचना को गोपनीय होने का दावा किया गया है।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

च.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

23. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किए हैं।

च.2. घरेलू उद्योग के विचार

24. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध इस प्रकार हैं :

- i. चीन जन. गण. को चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क) (i) के अनुसार एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए और सामान्य मूल्य को नियमावली के अनुबंध I, नियम 7 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
- ii. घरेलू उद्योग ने एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। इस प्रयोजन के लिए, उसने भारत से एक तीसरे देश को विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों पर विचार किया है।
- iii. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक केवल कुछ ही देशों में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और संबद्ध देशों के अलावा, संबद्ध वस्तुएं यूएसए और स्पेन में उत्पादित की जा रही हैं। अतः उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश केवल यूएसए या स्पेन हो सकते हैं। चूंकि घरेलू उद्योग ने स्वयं ही संबद्ध वस्तुएं यूएसए को निर्यात की हैं, अतः उसने भारत से यूएसए को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए निर्यात की गई वस्तुओं की पहुंच कीमत ली है। चूंकि सामान्य मूल्य का निर्धारण एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर निर्धारित की गई है, अतः निर्धारण के अन्य आधारों पर भरोसा नहीं किया गया है।
- iv. जापान के लिए, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उसने इन देशों में सीधे तौर पर बिक्री की कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्रयास किए हैं, लेकिन इसके लिए सार्वजनिक

रूप से कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं था। तदनुसार, घरेलू उद्योग ने देश में उत्पादन की लागत निर्धारित की है। इस प्रयोजन के लिए, घरेलू उद्योग ने व्यापार मानचित्र पर उपलब्ध सूचना के आधार पर जापान में कास्टिक सोडा की आयात कीमत पर भरोसा किया है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने अन्य कच्ची सामाग्रियों और यूटिलिटीज की कीमतों के साथ-साथ उपलब्ध सूचना के आधार पर उत्पादन की लागत के अन्य कारकों का निर्धारण किया है और बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक व्ययों और तर्कसंगत लाभों को जोड़ने के लिए समायोजन किया है।

- v. निर्यात कीमत को कारखाना बाह्य कीमत के निर्धारण के लिए विधिवत समायोजन किए जाने के बाद, प्रकाशित डीजीसीआईएस डेटा से अपनाई गई जांच की प्रस्तावित अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य पर विचार करने के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए।
- vi. संबद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम स्तरों से अधिक है बल्कि महत्वपूर्ण भी है।

च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

25. धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से तात्पर्य है :

“i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;

(ख) परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।”

26. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं :

- क. शेडोंग डेमिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- ख. किंगदाओ प्रोफेलिज बायोलाॅजिकल टेक्नोलॉजी कं. लिमि.
- ग. हांगकांग सीयन इंटरनेशनल लिमिटेड
- घ. शेडोंग लांटियन डिस्ट्रिब्यूशन टेक्नोलॉजी कं. लिमि.
- ड. पुयांगक्लीनवे केमिकल्स लिमि.
- च. शेडोंग गोल्डनस्टार वाटर एन्वायरमेंट टेक्नोलॉजी कं. लिमि.
- छ. हेबेई जिंगफेई केमिकल कंपनी लिमिटेड
- ज. नेस्सेई कार्पोरेशन

च.3.1. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

चीन के लिए सामान्य मूल्य

27. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में निम्नलिखित संगत प्रावधान हैं। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और पैरा 8 के अंतर्गत प्रावधान इस प्रकार हैं :

“7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।”

8. (1) “गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश” वाक्यांश का अर्थ है कि ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धान्तों को लागू नहीं करने वाले देश के रूप में मानते हैं, जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।”

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्लू .टी. ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। तथापि, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट-प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या: (क) ऐसे देश में कच्ची समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती है; (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर- बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में; (ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं; तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धान्तों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।

(4) उप पैराग्राफ (2) में किसी बात के होते हुए भी, निर्दिष्ट प्राधिकारी जो संगत मापदंड के अद्यतन विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जिसमें उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंड में किसी सार्वजनिक दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन का प्रकाशन शामिल हो, जिसे विश्व व्यापार संगठन के किसी सदस्य देश द्वारा पाटनरोधी जाँच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने जाने के लिए माना या निर्धारित किया हो”

28. जांच शुरुआत अवस्था में, प्राधिकारी ने एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में चीन जन. गण. को मानने की अवधारणा पर आगे कार्यवाही की है। जांच शुरू होने पर, प्राधिकारी ने जांच शुरू होने की सूचना का उत्तर देने और यह सूचना प्रदान करने के लिए कि क्या उनके आंकड़ों/ सूचना को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपनाया जा सकता है, चीन जन. गण. में उत्पादकों/ निर्यातकों को परामर्श दिया। प्राधिकारी ने इस संबंध में संगत सूचना प्रदान करने के लिए चीन जन. गण. में सभी ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार/ अनुपूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजी।

29. डब्ल्यूटीओ में चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 के तहत प्रावधान इस प्रकार है:

“(क) जीएटीटी का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 (“पाटनरोधी समझौता”) के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे :

“(क) जीएटीटी के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यू टी ओ सदस्य या तो जांच अधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है :

यदि जांच अधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यू टी ओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटरवेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यू टी ओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क) (ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15

वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यू टी ओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए लागू नहीं होंगे।"

30. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि चीन जन. गण. के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क)(ii) के प्रावधान दिनांक 11 दिसंबर, 2016 से समाप्त हो गए हैं लेकिन एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क)(i) के अंतर्गत एक बाध्यता के साथ पठित पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में निर्दिष्ट मानकों को एमईटी की स्थिति का दावा करने के लिए अनुपूरक प्रश्नावली में प्रदान की जाने वाली सूचना/ डेटा के माध्यम से पूरा किया जाना है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से किसी भी उत्पादक या निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार अथवा अनुपूरक प्रश्नावली प्रस्तुत नहीं की है। अतः इन उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य की गणना का, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारण किया जाना अपेक्षित है।
31. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक/ निर्यातक के नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यथाउल्लिखित अवधारणा का खंडन करने के लिए अनुपूरक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार आगे कार्यवाही की है।
32. यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के तहत गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए सामान्य मूल्य के निर्माण की तीन पद्धतियां निर्दिष्ट की हैं: (क) किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर; (ख) किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को निर्यात कीमत; और (ग) किसी अन्य तर्गसंगत आधार पर, प्राधिकारी ने यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अंतर्गत सामान्य मूल्य को पहले एक प्रतिनिधिक देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए अथवा ऐसे देश से भारत सहित अन्य देशों को निर्यात कीमत के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए।
33. आवेदन दाखिल करने के समय, घरेलू उद्योग ने एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के लिए गणना प्रदान की है। घरेलू उद्योग ने अपने द्वारा यूएसए को किए गए निर्यातों पर विचार किया और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए यूएसए ने ऐसी वस्तुओं की कीमत को लिया है। आवेदक ने यह प्रदान किया है कि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक यूएसए और स्पेन सहित केवल कुछ ही देशों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। किसी अन्य पक्षकार द्वारा एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की कीमत अथवा निर्मित मूल्य के संबंध में किसी अन्य पक्षकार द्वारा कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है।
34. यह नोट किया जाता है कि जहां सामान्य मूल्य का निर्धारण एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर किया जाता है, वहां बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का निर्धारण संबंधित देश के विकास के स्तर और संबंधित उत्पाद को ध्यान में रखकर किया जाना है। इस संबंध में, घरेलू उद्योग इस बात का उचित स्पष्टीकरण नहीं दे सका कि कैसे यूएसए पर एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में विचार किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान जांच में शामिल देशों के अलावा, अन्य देशों से भारत में आयात मात्रा में बहुत कम हैं।
35. अतः प्राधिकारी ने तीसरी पद्धति के आधार पर अर्थात् भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत सहित किसी अन्य तर्गसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने भारत में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण किया है।
36. इस प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों तथा लाभों को तर्गसंगत रूप से जोड़कर घरेलू उद्योग के उत्पादन की ईष्टतम लागत पर विचार किया है।

शानडोंग लांटियन डिसइंफेक्शन टेक्नोलॉजी कं., किंगदाओं प्रोफेलिज बायोलॉजिकल टेक्नोलॉजी कं. लिमि. तथा हांगकांग सीयन इंटरनेशनल लिमिटेड के लिए निर्यात कीमत

37. शानडोंग लांटियन डिसइंफेक्शन टेक्नोलॉजी कं. लिमि. ("लेनटियन") चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक है। लांटियन ने संबद्ध वस्तुएं सीधे भारत में एक असंगत ग्राहक को निर्यात किया है। लांटियन ने विचाराधीन उत्पाद को अपनी सहायक कंपनी किंगदाओं प्रोफेलिज बायोलॉजिकल टेक्नोलॉजी कं. ("किंगदाओं") के माध्यम से निर्यात किया है। किंगदाओं ने सीधे भारत में असंगत ग्राहकों को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। किंगदाओं ने आगे संबद्ध वस्तुओं को चीन में संगत व्यापारी -हांगकांग सीयन इंटरनेशनल लिमिटेड (एचकेआईएल)। एचकेएसआईएल ने भारत में असंगत ग्राहकों को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।

लांटियन → भारत में असंगत ग्राहक

लांटियन → किंगदाओं → एचकेएसआईएल → भारत में असंगत ग्राहक

लांटियन → किंगदाओं → भारत में असंगत ग्राहक

38. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान, लांटियन ने *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद भारत में असंगत ग्राहकों की सीधे निर्यात किया है और *** मी. टन एक संगत व्यापारी के माध्यम से निर्यात किया है। वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए, दावा किए गए स्वदेशी मालभाड़ा, समुद्री मालभाड़ा, बीमा, बंदरगाह व्यय, क्रेडिट लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों को स्वीकार किया गया है। तदनुसार प्राधिकारी ने नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में यथा उल्लिखित निर्यात कीमत का अनंतिम रूप से निर्धारण किया है।

पुयांग क्लीनवे केमिकल्स लिमिटेड के लिए निर्यात कीमत

39. पुयांग क्लीनवे केमिकल्स लिमिटेड ("पुयांग") चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक है। पुयांग ने भारत में असंगत ग्राहकों को सीधे संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।
40. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान, पुयांग ने भारत में असंगत ग्राहकों को सीधे ही *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। स्वदेशी मालभाड़ा, समुद्री मालभाड़ा, बीमा और बंदरगाह व्ययों के लिए समायोजन को वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए स्वीकार किया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में यथा उल्लिखित निर्यात कीमत का अनंतिम रूप से निर्धारण किया है।

शानडोंग गोल्डनस्टार वाटर एनवायरनमेंट टेक्नोलॉजी कं. लि., बेईफांग अल्फा इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि. और किंगदाओ थोर इंडस्ट्रियल कं. लिमि., हाइड्रोटेक इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए निर्यात कीमत

41. शानडोंग गोल्डनस्टार वाटर एनवायरनमेंट टेक्नोलॉजी कं. लिमि. ("गोल्डनस्टार") चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक है। गोल्डनस्टार ने भारत में संगत और असंगत व्यापारियों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। बेईफांग अल्फा इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लिमि., (अल्फा इंटरनेशनल) गोल्डनस्टार की एक संगत व्यापारी है, जिसने विचाराधीन उत्पाद का भारत में असंगत ग्राहकों को निर्यात किया है। गोल्डनस्टार ने भी दो असंगत व्यापारियों - हाइड्रोटेक इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हाइड्रोटेक) और किंगदाओ थोर इंडस्ट्रियल कं. लिमि. (थोर इंटरनेशनल) के माध्यम से विचाराधीन उत्पाद की बिक्री की है, जिसने भारत में असंगत ग्राहकों को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है।

गोल्डनस्टार → हाइड्रोटेक → भारत में असंगत ग्राहक

गोल्डनस्टार → अल्फा इंटरनेशनल → भारत में असंगत ग्राहक

गोल्डनस्टार → थोर इंडस्ट्रियल → भारत में असंगत ग्राहक

42. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान गोल्डनस्टार ने अपने संगत व्यापारियों के माध्यम से *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद और असंगत व्यापारियों के माध्यम से *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का भारत में असंगत ग्राहकों को निर्यात किया है। स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह व्ययों और क्रेडिट लागतों के लिए समायोजनों को वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए स्वीकार किया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से निर्यात कीमत निर्धारित की है, जैसा कि नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लेख किया गया है।

हेबेई जिंगफेई केमिकल कं. लिमि. ("हेबेई") और हाइड्रोटेक इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के लिए निर्यात कीमत

43. मैसर्स हेबेई जिंगफेई केमिकल कं. लि. ने एक उत्पादक के रूप में और हाइड्रोटेक इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एक निर्यातक के रूप में निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए। प्रश्नावली उत्तर के विश्लेषण से यह दर्शाया गया कि कंपनी के अप्रैल 2022 में *** मी. टन के निर्यात की सूचना दी थी। तथापि, दस्तावेजों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि कंपनी ने 10 मार्च, 2022 और 31 मार्च, 2022 को सामग्री इनवायस की है। तथापि परिशिष्ट 3बी में इनवायस की तारीख 2 अप्रैल, 2022 और 15 अप्रैल, 2022 बताई गई है। इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने भारत को अपने निर्यातों की तारीख के डेटा गलत बताए हैं। चूंकि कंपनी द्वारा प्रदान किए गए वाणिज्यिक इनवायस में स्पष्ट रूप से यह दर्शाया गया है कि वस्तुएं 10 मार्च, 2022 और 31 मार्च, 2022 को अर्थात् जांच की अवधि से पहले इनवायस की गई थी, लेकिन प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से उत्पादक द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

शानडोंग डेमिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

44. शानडोंग डेमिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लिमि. ("डेमिंग") चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक है। डेमिंग ने भारत में असंगत ग्राहकों को सीधे ही संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।
45. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान, डेमिंग ने भारत में असंगत ग्राहकों की सीधे *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। स्वदेशी मालभाड़ा, समुद्री मालभाड़ा, बीमा, बंदरगाह व्ययों और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों को वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए स्वीकार किया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में यथा उल्लिखित निर्यात कीमत का अनंतिम रूप से निर्धारण किया है।

चीन जन. गण. से सभी असहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

46. चीन से अन्य असहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण, नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध कराए गए तथ्यों के आधार पर किया गया है।

जापान के लिए सामान्य मूल्य

47. यह नोट किया जाता है कि जापान से एक निर्यातक/ व्यापारी नीसेई कॉरपोरेशन ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। तथापि, जापान से किसी भी उत्पादक ने सामान्य मूल्य की गणना के लिए अपेक्षित सूचना प्रदान नहीं की और उत्तर दाखिल नहीं किया। चूंकि पाटन मार्जिन का निर्धारण उत्पादक के लिए किया गया है न कि निर्यातक के लिए, अतः नीसेई कॉरपोरेशन का कोई भी व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं किया जा सकता है। जापान से किसी अन्य उत्पादक ने भी उत्तर दाखिल नहीं किया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने जापान के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित किया गया है।

जापान के लिए निर्यात कीमत

48. उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

च.3.3. पाटन मार्जिन

वर्तमान जांच में निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन नीचे दिया गया है :

पाटन मार्जिन तालिका

उत्पादक	सामान्य मूल्य (यूएस डॉलर/ मी. टन)	निर्यात कीमत (यूएस डॉलर/ मी. टन)	पाटन मार्जिन (यूएस डॉलर/ मी. टन)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन
					(रेंज)
चीन					
शानडोंग गोल्डनस्टान वाटर एनवायरनमेंट टेक्नोलॉजी कं., लिमि.	***	***	***	***	55-65
पुयांग क्लीनवे केमिकल्स लिमिटेड	***	***	***	***	40-50
शानडोंग डेमिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लिमि.	***	***	***	***	50-60
शानडोंग लांटियन डिसइंफेक्शन टेक्नोलॉजी कं.	***	***	***	***	60-70
कोई अन्य	***	***	***	***	70-80
जापान					
कोई अन्य	***	***	***	***	5-15

छ. क्षति का आकलन और कारणात्मक संबंध**छ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

49. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में कोई अनुरोध नहीं किया है।

छ.2. घरेलू उद्योग के विचार

50. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- घरेलू उद्योग की मौजूदगी के बावजूद, समग्र बाजार में आयातों का प्रभाव रहा है। आयातों में जांच की अवधि के दौरान बाजार अंश का ***% शामिल है।
- संबद्ध देश से आयातों की मात्रा, जांच की अवधि में भारतीय उत्पादन का *** गुणा थी, जबकि देश में कोई मांग-आपूर्ति अंतराल नहीं रहा। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि निर्यातक घरेलू उद्योग को संचालित करने के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।
- यद्यपि वर्ष 2020-21 और 2021-22 के बीच आयातों में गिरावट आई थी, जो कि कोविड से संबंधित स्थितियों के चलते खपत में गिरावट आने के कारण से थी। तथापि, जांच की अवधि के दौरान स्थिति में बदलाव आया और आयातों की मात्रा जांच की अवधि के दौरान सर्वाधिक थी, जो 149% तक की तीव्र वृद्धि रही।
- पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है और जांच की अवधि के दौरान यह कटौती काफी सकारात्मक है।
- संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर निरंतर दबाव आया है, क्योंकि वे क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कमतर कीमत पर थी।

- vi. जांच की अवधि में, बिक्रियों की कीमत में तीव्र वृद्धि हुई है। तथापि, लागतों में वृद्धि के बावजूद, निर्यातकों ने उनकी कीमतों में उसके अनुपात में वृद्धि नहीं की और वे बिक्रियों की लागत से नीचे थी।
- vii. आयातों की कीमतें घरेलू उद्योग की परिवर्तनीय लागत से कम थी। इसका तात्पर्य यह हुआ कि घरेलू उद्योग के लिए आयात कीमत से प्रतिस्पर्धा करना संभव नहीं है। ससे आयातित वस्तुओं के लिए मांग उत्पन्न होती है।
- viii. पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर एक दबावकारी प्रभाव रहा है।
- ix. अनेक शटडाउन के कारण, घरेलू उद्योग के पास अपनी केवल *** % क्षमता उपलब्ध थी। इसके बावजूद, घरेलू उद्योग जांच की अवधि के दौरान अपनी नियोजित क्षमता में से केवल *** % क्षमता का ही उपयोग कर पाया है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग ने अपनी उपलब्ध कुल क्षमता का मामूली सा *** % उपयोग किया है।
- x. घरेलू उद्योग का मांग में हिस्सा काफी कम *** % है, यद्यपि भारतीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।
- xi. उसने घरेलू बाजार में अपने उत्पादन का केवल *** % ही बिक्री किया है, जो हानि पर भी है।
- xii. पाटित आयातों के निरंतर दबाव के कारण, घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन क्षमता का पर्याप्त निपटान करने में समर्थ नहीं रहा है। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग वस्तुओं का संचय करने से बचने के लिए अपनी वस्तुसूचियों का निपटान करने के लिए नुकसान पर भी निर्यात करने पर मजबूर हो गया था।
- xiii. यहां तक कि घरेलू उद्योग की औसत वस्तुसूची धारण अवधि इतनी अधिक है कि महीनों तक लगातार प्रचालन हो सकता है।
- xiv. जांच की अवधि में, घरेलू उद्योग को लाभप्रदता में विगत वर्ष की तुलना में करीब 587% तक की गिरावट आई है। घरेलू उद्योग करीब *** % की नकदी हानि और *** % के एक नकारात्मक प्रतिफल के साथ नुकसान उठाने पर मजबूर था।
- xv. आवेदक को क्षति अवधि के दौरान कई बार अपने संयंत्र को बंद करना पड़ा और *** पर अपना प्रचालन बंद करना पड़ा क्योंकि संबद्ध देशों से निरंतर पाटन हो रहा था और वह जांच की अवधि के दौरान उसे पुनः शुरू करने में समर्थ नहीं रहा।
- xvi. वर्तमान मामले में एक अंतरिम शुल्क लगाने की काफी जरूरत है क्योंकि घरेलू उद्योग अपेक्षित स्तर तक पहुंचाना तो दूर अपना प्रचालन बनाए रखने के लिए संघर्ष करता रहा है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

51. अनुबंध-2 के साथ पठित पाटन-रोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "पाटित आयातों की मात्रा ,समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए.. "... ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निबल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे सूचकों पर पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।

52. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और विपरीत तर्कों की जांच की है। प्राधिकारी द्वारा किए गए क्षति संबंधी विश्लेषण में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का उल्लेख किया गया है।

छ.3.1 क्षति का संचयी मूल्यांकन

53. नियमों के अनुबंध-II के भाग (III) और डब्ल्यूटीओ समझौते के अनुच्छेद 3.3 में यह व्यवस्था की गई है कि यदि जहां एक से अधिक देशों से आयात एक ही समय पाटनरोधी जांचों के अध्यधीन है, वहां प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचित रूप से मूल्यांकन करेंगे यदि यह निर्धारित करता है कि:-

- क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशतांक के रूप में अभिव्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयात के तीन प्रतिशत (या अधिक) है या जहां प्रत्येक पृथक देश के आयात तीन प्रतिशत से कम हैं, वहां आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं, और
- ख. आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए उचित है।

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:-

- क. संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुएं पाटित की जा रही है। प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन नियमों के तहत निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।
- ख. प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा वैयक्तिक रूप से आयातों की कुल मात्रा के 3 प्रतिशत से अधिक है।
- ग. आयातों के प्रभाव का संचित मूल्यांकन उचित है, क्योंकि संबद्ध देशों से आयात न केवल उनमें से प्रत्येक के द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं के साथ भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

55. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी का विचार है कि घरेलू उद्योग पर चीन जन. गण. और जापान से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन करना सही है।

छ.3.2 पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

क) मांग / स्पष्ट खपत का आकलन

56. प्राधिकारी ने भारतीय उद्योग की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के जोड़ के रूप में भारत में संबंधित उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को वर्तमान जांच के प्रयोजन हेतु परिभाषित किया है। इस प्रकार आकलन की गई मांग को नीचे तालिका में दिया गया है:-

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	पीओआई
आवेदक की बिक्रियां	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	39	1,345	1,173
संबद्ध आयात	मी. टन	4,414	1,742	1,917	6,433
अन्य आयात	मी. टन	0	42	21	100
खपत	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	40	53	155

57. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में 2020-21 में गिरावट आई है, लेकिन उसके बाद इसमें क्रमशः वृद्धि हुई है।

ख) संबद्ध देशों से आयात मात्रा

58. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार किया जाना चाहिए कि क्या पाटित आयातों में या तो कुल रूप में या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की आयात मात्रा और पाटित आयातों का हिस्सा निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	पीओआई
संबद्ध आयात	मी. टन	4,414	1,742	1,917	6,433
चीन	मी. टन	4,211	1,710	1,705	6,203
जापान	मी. टन	203	33	212	230
अन्य देश	मी. टन	-	42	21	100
कुल आयात	मी. टन	4,414	1,784	1,938	6,533
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
निम्न के संबंध में संबद्ध आयातः					
कुल आयात	%	100	98	99	98
उत्पादन	सूचीबद्ध	100	401	344	257
उत्पादन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	10	13	57
खपत	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	82	94

59. यह देखा गया है कि:-

- क. 2020-21 और 2021-22 के बीच आयातों में गिरावट आई है, किंतु इसके बाद इसमें उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है और जांच की अवधि के दौरान ये उच्चतम थे।
- ख. जांच की अवधि के दौरान *** प्रतिशत हिस्से के साथ, संबद्ध देशों से आयात देश में संपूर्ण आयातों को स्थापित करते हैं।
- ग. उत्पादन के संबंध में आयात, आधार वर्ष में उच्चतम थे, किंतु 2021-22 में उसके बाद महत्वपूर्ण गिरावट आई। पुन पीओआई में विषय आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई।
- घ. पीओआई में आयात निरपेक्ष रूप से सबसे अधिक है और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें लगभग 236% की वृद्धि हुई है।
- ड. खपत के संबंध में आयातों में पिछले वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

60. घरेलू उद्योग ने यह भी जोर दिया है कि संबद्ध देश से आयातों में कोविड के कारण 2020-21 और 2021-22 में कमी आई है, लेकिन जांच की अवधि के दौरान इसमें 236 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
संबद्ध आयात	मी. टन	4,414	1,742	1,917	6,433
वृद्धि की दर	%		-61%	10%	236%

61. यह देखा गया है कि 2020-21 में गिरावट के पश्चात् जांच की अवधि के दौरान आयातों में महत्वपूर्ण दर पर वृद्धि हुई है।

छ.3.3 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

62. नियमों के अनुबंध-II(ii) के संदर्भ में, कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किए जाने की जरूरत है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती की गई है या ऐसे आयातों के प्रभाव ने अन्यथा रूप से महत्वपूर्ण स्तर तक कीमतों में ह्रास किया है अथवा कीमतों में उस वृद्धि को रोका है जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक घटित हुई होती।

क) कीमत कटौती

63. कीमत कटौती को घरेलू उद्योग की निवल बिक्री आय की जांच की अवधि के लिए आयातों की पहुंच कीमत के साथ तुलना करके निर्धारित किया गया है। यह देखा गया है कि जांच की अवधि के दौरान कीमत कटौती सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

विवरण	यूनिट	पीओआई
निवल बिक्री कीमत	रु/मी. टन	***
पहुंच कीमत	रु/मी. टन	1,55,707
कीमत कटौती	रु/मी. टन	***
कीमत कटौती	%	***
रेंज	रेंज	30-40%

64. यह नोट किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे थे। इसके अलावा, यह कटौती उल्लेखनीय थी।

ख) कीमत ह्रास / न्यूनीकरण

65. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में ह्रास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव ने महत्वपूर्ण सीमा तक कीमतों में ह्रास किया है या कीमत उस वृद्धि को रोका है जो अन्यथा सामान्य अवधि में घटित हुई होती, क्षति अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तनों की निम्नानुसार तुलना की गई है:-

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	पीओआई
बिक्रियों की लागत (घरेलू)	रु/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	74	111
बिक्री कीमत	रु/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	130	144
पहुंच कीमत	रु/मी. टन	1,17,929	1,05,265	1,66,360	1,55,707
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	141	132

66. यह नोट किया जाता है कि पूरी क्षति अवधि में आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम था।
67. जांच की अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत में तेजी से वृद्धि हुई। हालांकि आयातों की कीमतों में कमी आई है और वे घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत से बहुत कम थीं। इसने घरेलू उद्योग को लागत में वृद्धि के अनुरूप इसकी कीमतों में वृद्धि करने से रोका है। इसलिए, यह नोट किया जाता है कि आयातों ने कीमतों में वृद्धि को नियंत्रित किया है जो अन्यथा घटित हुई होती।
68. घरेलू उद्योग ने भी जांच की अवधि के दौरान दावा किया है कि कच्चे माल में से एक अर्थात् सायन्यूरिक एसिड की कीमत 70 प्रतिशत तक बढ़ी है। हालांकि, माल की पहुंच कीमत में वृद्धि नहीं हुई है। तदनुसार, घरेलू उद्योग कच्चे माल की लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था।

अविध	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
कास्टिक सोडा लाय की कीमत	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	48	86	131
सायन्यूरिक एसिड	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	82	79	135
कच्चे माल की लागत	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	70	74	125

छ.3.4 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

69. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-II के अनुसार यह जरूरी है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव को उद्देश्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियमों में यह व्यवस्था की गई है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और आंकड़ों, जिनमें बिक्रियों, लाभों, आउटपुट, बाजार हिस्से, उत्पादकता में वास्तविक और संभावित गिरावट, निवेशों पर आय या क्षमता के उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर ऋणात्मक वास्तविक और संभावित प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, संवृद्धि, पूंजी निवेशों को जुटाने की क्षमता का एक उद्देश्यपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति संबंधी मापदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है।

क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्रियों की मात्रा

70. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्रियां और क्षमता उपयोग यहां नीचे दिए गए हैं:-

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	पीओआई
स्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	401	344	257
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	401	345	257
घरेलू बिक्रियां	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	39	1345	1172
निर्यात बिक्रियां	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	197	83

71. यह देखा गया है कि:-

- क. घरेलू उद्योग ने अपना संयंत्र *** को बंद किया था और जांच की अवधि के दौरान इसे दुबारा शुरू करने में समर्थ नहीं था।
- ख. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग संस्थापित क्षमता का ***% था।
- ग. कुल क्षमता और कुल उत्पादन की तुलना में घरेलू बिक्रियां नगण्य हैं।
- घ. घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में अपने उत्पादन के केवल *** प्रतिशत की बिक्री करने में सक्षम है।

72. उपलब्ध कराई गई सूचना से यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान अपने उत्पादन को अधिकतर भाग की हानि पर निर्यात किया है जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को मालसूची को एकत्र होने से बचने के लिए उत्पाद का निर्यात करने के लिए बाध्य किया गया था।

विवरण	यूओएम	रु/मी. टन
बिक्री कीमत (निर्यात)	रु/मी.टन	***
बिक्रियों की लागत (निर्यात)	रु/मी.टन	***
लाभ	रु/मी.टन	(***)

ख) बाजार हिस्सा

73. घरेलू उद्योग और आयातों का बाजार हिस्सा नीचे तालिका में दर्शाए गए अनुसार हैं:-

बाजार हिस्सा	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	पीओआई
घरेलू उद्योग	%-सूचीबद्ध	100	100	1700	500
संबद्ध आयात	%- सूचीबद्ध	100	98	83	94
अन्य आयात	%- सूचीबद्ध		100	50	50

74. यह नोट किया जाता है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक होने और मांग के लगभग 90 प्रतिशत को पूरा करने की क्षमता होने के बावजूद, भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग का हिस्सा केवल *** प्रतिशत है। संबद्ध देशों से आयातों का जांच की अवधि के दौरान *** प्रतिशत हिस्से के साथ पूरी क्षति अवधि में भारतीय बाजारों पर हावी होना जारी है।

ग) मालसूची

75. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:-

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	पीओआई
प्रारंभिक मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
औसत मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	154	182	99

76. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की औसत मालसूचियों में 2021-22 तक लगातार वृद्धि हुई है और इसमें केवल जांच की अवधि के दौरान ह्रास हुआ है। तथापि, फिर भी घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में अपने उत्पादन का निपटान करने में सफल नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की औसत मालसूची धारण अवधि *** दिन है।

घ) नियोजित पूंजी पर लाभप्रदता, नकद लाभ और पूंजी पर आय

77. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	पीओआई
बिक्रियों की लागत	रु/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	74	111
बिक्री कीमत	रु/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	130	144
लाभ / (हानि)	रु/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-75	11	-59
लाभ / (हानि)	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-29	142	-679
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-25	450%	-575
निवेश पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-72	33	-89

78. यह नोट किया गया है कि:-

- क. क्षति अवधि के पहले दो वर्षों में घरेलू उद्योग हानियों में था, किंतु 2021-22 में इसने लाभ अर्जित किया है। तथापि, इस अवधि के दौरान, लाभप्रदता निम्न थी और घरेलू उद्योग ने नियोजित पूंजी पर केवल *** प्रतिशत की आय अर्जित की है।
- ख. जांच की अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग *** प्रतिशत का ह्रास हुआ है।
- ग. आवेदक ने जांच की अवधि के दौरान हानियों और नकद हानियों का व्यय किया हुआ है और निवेश पर ऋणात्मक आय का सामना कर रहा है। आवेदक ने *** प्रतिशत निवेश पर आय ऋणात्मक को वहन किया है।

ड.) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

79. प्राधिकारी ने नीचे दिए गए अनुसार रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता की जांच की है:-

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	पीओआई
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	132	134
वेतन और मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	151	147
उत्पादकता प्रति दिन	मी.टन/दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	400	300	300
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	मी.टन/संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	320	260	180

80. यह नोट किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या और वेतन अधिकतम थे, किंतु उत्पादन में गिरावट की प्रतिक्रिया में 2020-21 के बाद प्रति कर्मचारी उत्पादकता में कमी आई है। घरेलू उद्योग ने इस कारण क्षति का दावा नहीं किया है।

च) वृद्धि

विवरण	यूनिट	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
उत्पादकता	%	-	301%	-14%	-26%
घरेलू बिक्रियां	%	-	-61%	3319%	-13%
लाभ / हानि	%	-	-71%	-582%	-587%
नकद लाभ	%	-	-75%	-1872%	-228%
नियोजित पूंजी पर आय	%	-	5	18	-22

81. यह नोट किया गया है कि 2020-21 में घरेलू उद्योग का उत्पादन बढ़ा है, लेकिन इसके बाद इसने गिरावट दर्शायी है। 2021-22 में घरेलू बिक्रियों में भी वृद्धि हुई और तब जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई। पूरी क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग घाटे में रहा है जो जांच की अवधि में उच्चतम थीं। इसलिए, घरेलू उद्योग ने सभी मापदंडों के संबंध में ह्रास का सामना किया है।

छ. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर प्रभाव

82. घरेलू उद्योग ने भारी हानियों को वहन किया है और ऋणात्मक आय का सामना कर रहा है। ईबीआईडीटीए ऋणात्मक है और केवल क्षति अवधि में इसमें ह्रास हुआ है। ऋणात्मक ईबीआईडीटीए दर्शाता है कि घरेलू उद्योग अपनी वर्तमान बाध्यताओं को पूरा करने लायक भी अर्जन नहीं कर रहा है और पूंजी निवेश को जुटाने की क्षमता पर ऋणात्मक प्रभाव पड़ा है।

ज. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

83. यह नोट किया गया है कि जांच की अवधि के कारण घरेलू उद्योग एक लाभप्रद स्तर तक अपनी कीमतों में वृद्धि करने में समर्थ नहीं है। आयातों ने लागत से नीचे वस्तुओं की बिक्री करने के लिए घरेलू उद्योग को विवश किया है। इसके अतिरिक्त, निम्न कीमत वाले आयातों के परिणामस्वरूप बाजार हिस्से में भी कमी और क्षमता का कम उपयोग हुआ है जिसने अंततः आवेदक को अपने प्रचालनों को बंद करने के लिए विवश किया है। अतः, इस प्रकार, संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया है।

झ. पाटन की मात्रा

84. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का महत्वपूर्ण पाटन हुआ है जिसने बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को नष्ट कर दिया है।

छ.3.5 क्षति का समग्र मूल्यांकन

85. संबद्ध उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि:-

- इस तथ्य के बावजूद कि घरेलू उद्योग संपूर्ण भारतीय मांग का लगभग 90 प्रतिशत पूरा करने की पर्याप्त क्षमता रखता है, आयातों का बाजार में एकाधिकार है।
- 2020-21 और 2021-22 में आयातों में कमी आई है, लेकिन उसके बाद इसमें 236 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ये जांच की अवधि के दौरान उच्चतम थे।
- आयात घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में *** प्रतिशत उच्च थे और भारतीय बाजार का *** प्रतिशत होते हैं।
- संबद्ध देशों से आयात भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातों का 100 प्रतिशत ठहरते हैं।
- संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। जांच की अवधि के दौरान कीमत कटौती सकारात्मक और महत्वपूर्ण थी।

- vi. आयातों ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि को रोका है जो अन्यथा घटित हुई होती।
- vii. जांच की अवधि के दौरान कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, निर्यातकों ने आयातों की पहुंच कीमत में वृद्धि नहीं की है।
- viii. *** मी. टन की क्षमता के बावजूद, घरेलू उद्योग की नियोजित क्षमता केवल *** मी. टन थी।
- ix. घरेलू उद्योग *** को अपना संयंत्र बंद करने के लिए विवश था और जांच की अवधि के दौरान इसे दुबारा आरंभ करने में अक्षम था।
- x. मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा केवल *** प्रतिशत है और इसने घरेलू बाजार में अपने उत्पादन के केवल *** प्रतिशत की बिक्री की है।
- xi. घरेलू उद्योग अपनी मालसूचियों का निपटान करने के लिए हानियों पर संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने के लिए विवश था। घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान अपने अधिकतम उत्पादन का निर्यात किया।
- xii. घरेलू उद्योग की औसत मालसूची धारण अवधि जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक थी।
- xiii. घरेलू उद्योग महत्वपूर्ण वित्तीय हानियों का सामना कर रहा है। घरेलू उद्योग ने नकद हानियों और जांच की अवधि के दौरान निवेश पर ऋणात्मक आय के साथ हानियों का सामना किया है।
- xiv. आयातों ने और अधिक पूंजी निवेशों को जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता को विपरीत रूप से प्रभावित किया है।
- xv. पाटन मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।
- xvi. आयात घरेलू कीमतों की कीमतें को प्रभावित कर रहे हैं।

86. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी अनंतिम रूप से निष्कर्ष देते हैं कि घरेलू उद्योग उल्लेखनीय क्षति का सामना कर रहा है।

छ.3.6 गैर-आरोपण विश्लेषण और कारणात्मक संबंध

87. घरेलू उद्योग की कीमतों पर क्षति की विद्यमानता, पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभावों की जांच करते हुए, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक को आरोपित की जा सकती है, जो नियमावली के तहत सूचीबद्ध किए गए हैं।

क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और मूल्य

88. यह नोट किया गया है कि किसी अन्य देश से कोई आयात नहीं किए गए हैं। इसलिए, क्षति को तीसरे देशों से आयातों पर आरोपित नहीं किया जा सकता है।

ख) मांग में संकुचन

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि 2020-21 में संबद्ध वस्तुओं की मांग में कमी आई थी, लेकिन 2021-22 में इनमें फिर से वृद्धि हुई थी। घरेलू उद्योग ने मांग में संकुचन के कारण क्षति का सामना नहीं किया है।

ग) खपत की पद्धति

90. यह नोट किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के खपत के पैटर्न में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है जो घरेलू उद्योग को क्षति का कारण बन सके।

घ) प्रतिस्पर्धा की स्थिति और व्यापार प्रतिबंधित पद्धतियां

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिस्पर्धा अथवा व्यापार प्रतिबंधित पद्धतियों की स्थिति का कोई साक्ष्य उपस्थित नहीं है जो घरेलू उद्योग को क्षति का दावा करने के लिए उत्तरदायी हो।

ड.) प्रौद्योगिकी में परिवर्तन

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जो घरेलू उद्योग के लिए क्षति उत्पन्न कर सके, क्योंकि इसने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए नया संयंत्र स्थापित किया है।

च) उत्पादकता

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है। इसलिए, घरेलू उद्योग ने इस कारण क्षति का सामना नहीं किया है।

छ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

94. यहां ऊपर जांच की गई क्षति संबंधी सूचना इसके घरेलू बाजार के संदर्भ में केवल घरेलू उद्योग के निष्पादन से संबंधित है। इसलिए, वहन की गई क्षति को केवल घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के कारण हुआ नहीं माना जा सकता।

ज) अन्य उत्पादों का निष्पादन

95. प्राधिकारी ने केवल संबद्ध वस्तुओं के निष्पादन से संबंधित आंकड़ों पर विचार किया है। इसलिए, उत्पाद किए गए और बेचे गए अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति का संभव कारण नहीं हो सकता है।

छ.3.7 कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

96. जहां नियमों के तहत सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों ने घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंड दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है:-

- i. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन हुआ है।
- ii. आयात की मात्रा जांच की अवधि में उच्चतम थी। पिछले दो वर्षों में आयातों में गिरावट केवल कोविड के कारण मांग में आई कमी के कारण थी।
- iii. घरेलू उद्योग की खपत और उत्पादन के संबंध में आयातों की मात्रा में भी वृद्धि हुई है और भारतीय उत्पादन के संबंध में यह *** प्रतिशत है।
- iv. आयातों ने बाजार का *** प्रतिशत नियंत्रित कर रखा है, जो घरेलू उद्योग को बाजार में हिस्सा प्राप्त करने से रोकता है।
- v. संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में महत्वपूर्ण कटौती कर रहे हैं।
- vi. सस्ती कीमतों ने घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव सृजित किया है जो कीमतों में ऐसी वृद्धि को रोकता है जो अन्यथा घटित हुई होती।
- vii. हालांकि जब कि जांच की अवधि में कच्चे माल की कीमत में वृद्धि हुई है, आयातों की कीमतें नहीं बढ़ीं।
- viii. घरेलू उद्योग के पास अत्यधिक कम उपयोग की गई क्षमताएं मौजूद हैं, उसकी स्थापित क्षमताओं का केवल *** प्रतिशत है।

- ix. निम्न स्तरों पर उत्पादन करने के बाद भी, इस पर इसके उत्पादन का निपटान करने के लिए निर्यातों पर भरोसा करने के लिए दबाव था। निर्यात उत्पादन के *** प्रतिशत के समकक्ष है।
- x. घरेलू बिक्रियां निम्न हैं और घरेलू उद्योग केवल *** प्रतिशत बाजार हिस्सा धारित करता है।
- xi. घरेलू उद्योग अपनी हानियों में कमी करने और अत्यधिक मालसूची के एकत्र होने से बचने के लिए अपने प्रचालनों को बंद करने के लिए विवश था।
- xii. घरेलू उद्योग ने 2021-22 के अतिरिक्त, जब पहुंच कीमत में वृद्धि हुई थी, पूरी क्षति अवधि के दौरान हानियां और नकद हानियां वहन की हैं। जांच की अवधि में निवेश पर आय भी ऋणात्मक थी।

97. अतः, प्राधिकारी अनंतिम रूप से निष्कर्ष देते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच एक कारणात्मक संबंध विद्यमान है।

ज. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

ज.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

98. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भारतीय उद्योग के हित के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किए हैं।

ज.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

99. घरेलू उद्योग ने भारतीय उद्योग के हित के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. देश में संबद्ध वस्तुओं के लिए कोई मांग – आपूर्ति अंतर मौजूद नहीं है।
- ii. घरेलू उद्योग के पास पूर्ण भारतीय मांग को पूरा करने की क्षमता है और मांग बढ़ने की स्थिति में, इसके पास अपनी क्षमता को *** मी. टन तक बढ़ाने की आधारभूत संरचना है।
- iii. भारतीय उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं के लिए संयंत्र स्थापित करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगभग *** करोड़ रूपए निवेश किए हैं।
- iv. यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है, तो घरेलू उद्योग के पास अपने प्रचालनों को स्थायी रूप से बंद करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं होगा और भारत एक बार फिर आयात पर निर्भर हो जाएगा।
- v. बढ़ते हुए व्यापार घाटे को देखते हुए, घरेलू उत्पादन क्षमताओं पर भरोसा करना महत्वपूर्ण है। शुल्कों को लागू किये जाने से देश से बाहर जाने वाली विदेशी मुद्रा अनुकूल भुगतान संतुलन खाते के संरक्षण की अनुमति मिलेगी।
- vi. टीसीसीए डाउनस्ट्रीम उद्योग के लिए प्रमुख इनपुट या कच्चा माल नहीं है और परिणामस्वरूप यह इसके लिए मुख्य लागत भी नहीं है।
- vii. डाउनस्ट्रीम उद्योग द्वारा उत्पाद की लागत में वृद्धि को वहन करने की संभावना है, क्योंकि यह इसकी लागत का छोटा-सा भाग है।
- viii. टीसीसीए पर पाटनरोधी शुल्क को लागू किए जाने का प्रभाव लगभग 0.0008 प्रतिशत है।
- ix. दूधिया केम टेक्स प्रा० लि०, मुंबई की टीसीसीए के लिए एक संयंत्र स्थापित करने की योजना है जो सुनिश्चित करेगा कि भारत में कोई एकाधिकार स्थिति नहीं है और प्रयोक्ताओं के पास घरेलू बाजार में भी पर्याप्त स्रोत होंगे।
- x. विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण करने की प्रौद्योगिकी यूएसए और स्पेन में उपलब्ध है और हाल ही में बांग्लादेश में उत्पादन के लिए एक संयंत्र स्थापित किया गया है। विचाराधीन उत्पाद को अन्य स्रोतों से भी उचित कीमतों पर आयात किया जा सकता है।

ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का प्राथमिक उद्देश्य पाटन की गलत व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग पर थोपी गई क्षति को सुधारना है जिसके द्वारा भारतीय बाजार में एक खुली और न्यायसंगत प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। यह केवल एक विनियामक उपाय नहीं है बल्कि एक राष्ट्रीय हित का मामला है। पाटनरोधी

उपायों को लागू किया जाना मनमाने ढंग से संबद्ध देशों से आयातों में कटौती करने के लिए डिजाइन नहीं किया गया है। बल्कि, यह समान स्तर पर कार्य करने को सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र है। प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों की दृढ़ता भारत में उत्पाद के कीमत स्तरों को प्रभावित कर सकती है। तथापि, यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि इन उपायों के जारी रहने के द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति अहानिकर बनी रहेगी। हासमान प्रतिस्पर्धा से परे, पाटनरोधी उपायों को लागू किया जाना पाटन पद्धतियों के जरिए अनुचित लाभों को प्रोद्भूत होने से रोकने के उद्देश्य को पूरा करता है। यह संबद्ध वस्तुओं के वृहत चयन तक ग्राहकों की पहुंच का रक्षोपाय करता है। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क उचित व्यापार पद्धतियों के लिए बाधा नहीं बल्कि सुविधा प्रदान करने वाला है।

101. प्राधिकारी ने आयातकों, प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से उनके मतों को आमंत्रित करते हुए जांच शुरूआत अधिसूचना जारी की। घरेलू उद्योग, उत्पादकों / निर्यातकों और आयातकों / प्रयोक्ताओं / उपभोक्ताओं सहित विभिन्न स्टेकधारकों को उनके प्रचालनों पर पाटनरोधी शुल्क के संभावित प्रभाव सहित वर्तमान जांच के संबंध में संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए अनुमति प्रदान करने हेतु एक आर्थिक हित प्रश्नावली भी निर्धारित की गई।
102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का कोई भी प्रयोक्ता प्राधिकारी के समक्ष भाग लेने के लिए आगे नहीं आया है न ही आर्थिक हित प्रश्नावली का उत्तर दिया गया है। इसके अलावा, किसी भी पक्षकार ने प्रवृत्त शुल्कों के विपरीत प्रभाव की ओर संकेत करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। साक्ष्यों की इस कमी और स्टेकधारकों की चुप्पी ने प्राधिकारी की स्थिति को रेखांकित किया है और उचित व्यापार पद्धतियों को सुनिश्चित करने के लिए पाटनरोधी उपायों की जरूरत को सुदृढ़ किया है।
103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा संयंत्र की स्थापना किए जाने से पूर्व भारत पूरी तरह से आयात पर निर्भर था। घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संयंत्र में भारी निवेश किया है। घरेलू उद्योग के अनुसार, यदि संबद्ध देशों से पाटन जारी रहा तो घरेलू उद्योग के पास अपने प्रचालनों को स्थायी रूप से बंद करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं होगा।
104. घरेलू उद्योग ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि तैयार उत्पाद पर शुल्कों के निम्न प्रभाव के कारण शुल्कों का प्रयोक्ताओं पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। घरेलू उद्योग ने नीचे दी गई तालिका में अंतिम उपभोक्ताओं पर उपायों के प्रभाव को प्रस्तुत किया है। यह नोट किया गया है कि शुल्कों का प्रभाव बहुत मामूली-सा है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने कहा है कि क्योंकि संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग पानी को साफ करने के लिए सिर्फ एक निस्संक्रामक के रूप में प्रयोग किया जाता है, यह इसके लिए कोई बड़ी लागत भी नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि टीसीसीए का प्रयोग एक निस्संक्रामक के रूप में और पानी के उपचार के लिए किया जाता है। इस प्रकार, यह डाउनस्ट्रीम उद्योग के लिए एक मुख्य इनपुट या कच्चा माल नहीं है।

विवरण	यूनिट	मूल्य
गुजरात में पानी की दरें	रू./ 1000 लीटर	56.59
गुजरात में पानी की दरें	रू./ लीटर	0.057
टीसीसीए खपत - 1,00,000 लीटर	ग्राम	300
टीसीसीए दर	रू./ मी. टन	1,64,996
टीसीसीए दर	रू./ ग्राम	0.16
पानी की लागत + टीसीसीए - 1,00,000 लीटर	ग्राम	49,55,538
प्रस्तावित एडीडी	रू./ मी. टन	***
एडीडी	रू./ ग्राम	***
टीसीसीए की लागत – एडीडी		***
तैयार उत्पाद पर प्रतिशतांक प्रभाव		0.0008%

105. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क को लागू किए जाने के कारण भारत में संबद्ध वस्तुओं की कमी नहीं होगी। यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क आयातों को प्रतिबंधित नहीं करते, बल्कि यह सुनिश्चित करते हैं कि आयात उचित कीमतों पर उपलब्ध हों। इसलिए, शुल्क को लागू किया जाना उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा। किसी भी स्थिति में, इस समय वर्तमान क्षमता के अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के पास पहले से ही *** मी. टन की एक अतिरिक्त क्षमता को स्थापित करने के लिए मशीनरी और आधारभूत संरचना मौजूद है। इसलिए, घरेलू उद्योग की क्षमता भारत में मांग से अधिक है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि देश में पर्याप्त आपूर्ति बनी हुई है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने यह कहा है कि यदि भारतीय मांग में वृद्धि होती है तो इसके पास अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए आधारभूत संरचना मौजूद है।
106. इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि, संबद्ध आयात देश में आयातों का 100 प्रतिशत स्थापित करते हैं, उत्पाद का विनिर्माण करने से संबंधित प्रौद्योगिकी यूएसए और स्पेन में भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि इस उत्पाद का उत्पादन करने के लिए एक संयंत्र अभी हाल ही में बांग्लादेश में स्थापित किया गया है। इसलिए, शुल्कों को लागू किए जाने की स्थिति में माल को बांग्लादेश, यूएसए और स्पेन से आयात किया जा सकता है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि दूधिया केम प्रा० लि० संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए एक संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। यह भारतीय बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को सुनिश्चित करेगा।

झ. क्षति मार्जिन की मात्रा

107. प्राधिकारी ने यथा संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत को जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना / आंकड़े को अपनाने के द्वारा निर्धारित किया गया है। क्षतिरहित कीमत पर क्षति मार्जिन की संगणना के लिए संबद्ध देश से पहुंच कीमत की तुलना करने पर विचार किया गया है। क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के लिए क्षति अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा कच्चे माल के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। युटीलिटीज के साथ भी समान उपचार किया गया है। क्षति अवधि में उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन की लागत पर कोई असाधारण या गैर-आवर्ती व्ययों को प्रभावित नहीं किया गया है। क्षतिरहित कीमत पर पहुंचने के लिए पूर्व लाभ के रूप में विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्तियां औसत कार्यशील पूंजी सहित) पर एक उचित आय (कर पूर्व @ 22 प्रतिशत) को अनुमति प्रदान की गई थी जैसा कि नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित किया गया है और अनुसरण किया जा रहा है।
108. निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर सहयोगी निर्यातकों के लिए पहुंच कीमत को निर्धारित किया गया है। संबद्ध देशों से असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पहुंच कीमतों को निर्धारित किया है।
109. उपरोक्त अनुसार निर्धारित की गई पहुंच कीमत और क्षतिरहित कीमत के आधार पर उत्पादकों / निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन को प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है और इसे नीचे तालिका में उपलब्ध कराया गया है:-

उत्पादक	एनआईपी (यूएस डॉलर/मी.टन)	पहुंच कीमत (यूएस डॉलर/मी.टन)	क्षति मार्जिन (यूएस डॉलर/मी.टन)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन (रेंज)
चीन					
शेडोंग गोल्डनस्टार वाटर इनवायरमेंट टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	30-40
पुयांगक्लीनवे केमिकल्स लिमिटेड	***	***	***	***	30-40
शेडोंग डेमिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं, लिमिटेड	***	***	***	***	30-40

शेडोंग लैटियन डिस्टिन्क्शन टेक्नोलॉजी कंपनी	***	***	***	***	40-50
अन्य सभी	***	***	***	***	50-60
जापान					
कोई भी	***	***	***	***	5-15

ज. निष्कर्ष और सिफारिशें

110. हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करते हुए और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने अंतिम रूप से निष्कर्ष दिया कि:-

- i. बोडाल केमिकल्स लि० द्वारा चीन जन. गण. और जापान से ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक के आयातों के विरुद्ध पाटरोधी जांच की शुरुआत के लिए आवेदन दायर किया गया है। आवेदक संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है और वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग ठहरता है।
- ii. विचाराधीन उत्पाद ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड है जिसे टीसीसीए के रूप में भी जाना जाता है जो एक निस्संक्रामक, ब्लीचिंग एजेंट और जल उपचार रसायन के रूप में सामान्य रूप से प्रयोग किया जाने वाला एक केमिकल कंपाउंड है।
- iii. विचाराधीन उत्पाद के दायरे में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जैसा कि जांच शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित किया गया है और संबद्ध जांच में पीसीएन पद्धति की कोई जरूरत नहीं है।
- iv. चूंकि चीन जन. गण. से किसी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार के लिए अनुरोध दायर नहीं किया है। चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना गया है और सामान्य मूल्य को भारत में अदायगी योग्य कीमत के आधार पर निर्धारित किया गया है जो घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत पर आधारित है।
- v. निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए चीन और जापान से संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक है।
- vi. 2020-21 में संबद्ध वस्तुओं की मांग में गिरावट आई किंतु उसके बाद इसमें क्रमशः वृद्धि हुई।
- vii. संबद्ध देशों से आयात देश में आयातों की संपूर्णता को स्थापित करते हैं और जांच की अवधि में ये उच्चतम थे।
- viii. संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे थे।
- ix. आयातों की पहुंच मूल्य बिक्री कीमत एवं घरेलू उद्योग की लागत से निम्न था।
- x. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत में वृद्धि हुई, किंतु आयातों की कीमतों में कमी हुई है।
- xi. आयातों ने कीमतों में वृद्धि को रोका है, जो अन्यथा घटित हुई होती। इस प्रकार, आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों में हास किया है।
- xii. जहां तक, घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों पर ऐसे आयातों के प्रभाव का संबंध है, निम्नलिखित निष्कर्षों पर पहुंचा गया था:-
 - क. घरेलू उद्योग पर, लगातार पाटन के कारण इसके प्रचालनों को बंद करने का दबाव था।
 - ख. घरेलू उद्योग ने पूरी क्षति अवधि के दौरान कम उपयोग की गई क्षमताओं का सामना किया है और घरेलू बाजार में अपने उत्पादन के बहुत थोड़े से हिस्से की बिक्री की है।
 - ग. पूरी क्षति अवधि के दौरान आयातों का बाजार हिस्से पर एकाधिकार रहा है।
 - घ. घरेलू उद्योग की औसत मालसूचियों में 2021-22 तक लगातार वृद्धि हुई है और केवल जांच की अवधि के दौरान इसमें कमी आई है।
 - ड. घरेलू उद्योग ने हानियों, नकद हानियों और ऋणात्मक आय का सामना किया है।

च. घरेलू उद्योग पर मालसूची के संचय को रोकने के लिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने का दबाव था।

xiii. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों से पाटित वस्तुओं के परिणामस्वरूप क्षति का सामना किया है। क्षति मार्जिन महत्वपूर्ण है।

xiv. घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाला कोई अन्य कारक प्रकट नहीं हुआ है। यह नोट किया गया है कि पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने उल्लेखनीय क्षति का सामना किया है।

xv. पाटनरोधी शुल्क जनता के हित में है। यह निम्नलिखित से प्रमाणित है:-

क. घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण करने के लिए और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संयंत्र में महत्वपूर्ण निवेश किए हैं।

ख. डाउनस्ट्रीम उद्योग पर शुल्कों का प्रभाव 0.001 प्रतिशत से कम है और न्यूनतम है। इसके अलावा, संबद्ध वस्तुएं डाउनस्ट्रीम उद्योग के लिए प्रमुख लागत नहीं हैं।

ग. शुल्क का अधिरोपण, इसलिए, उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा। घरेलू उद्योग के पास लगभग पूर्ण भारतीय मांग को पूरा करने की क्षमता है और भारतीय मांग में वृद्धि होने की स्थिति में, इसके पास क्षमता में वृद्धि करने के लिए आधारभूत संरचना मौजूद है।

घ. वस्तुओं को यूएसए, स्पेन और बांग्लादेश सहित अन्य स्रोतों से भी आयातित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के अनुसार, दूधिया केम टेक्स प्रा० लि० की संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए एक संयंत्र स्थापित करने की योजना है।

111. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया गया था तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के तहत निर्धारित किए गए प्रावधानों के संदर्भ में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध में जांच की शुरुआत करने और उसे आयोजित करते हुए, प्राधिकारी का विचार है कि जांच को पूरा करने को लंबित रखते हुए पाटन और क्षति को पूरा करने के लिए अनंतिम शुल्क को लागू किए जाने की जरूरत है। इसलिए, प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को लागू किया जाना जरूरी समझते हैं और इसकी सिफारिश करते हैं।

112. प्राधिकारी द्वारा अनुसरित कमतर शुल्क नियम के संबंध में, प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर के समकक्ष अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को लागू किए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी नीचे संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के समकक्ष, केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को लागू करने की सिफारिश करते हैं।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष	विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	29336990 29336910	ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शेडोंग गोल्डनस्टार वाटर इनवायरमेंट टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	650	मी. ट.	अम.डॉ.

2	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	पुयांगक्लीनवे केमिकल्स लिमिटेड	657	मी. ट.	अम.डॉ.
3	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शेडोंग डेमिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लिमिटेड	666	मी. ट.	अम.डॉ.
4	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शेडोंग लैटियन डिस्ट्रिक्शन टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	791	मी. ट.	अम.डॉ.
5	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित सभी देश	क्रम संख्या 1 से 6 में उल्लिखित उत्पादकों के अलावा कोई उत्पादक	870	मी. ट.	अम.डॉ.
6	-वही-	-वही-	चीन जन. गण. और जापान के अतिरिक्त सभी देश	चीन जन. गण.	कोई भी	870	मी. ट.	अम.डॉ.
7	-वही-	-वही-	जापान	जापान सहित सभी देश	कोई भी	170	मी. ट.	अम.डॉ.
8	-वही-	-वही-	चीन जन. गण. और जापान के अतिरिक्त सभी देश	जापान	कोई भी	170	मी. ट.	अम.डॉ.

ट. आगे की प्रक्रिया

113. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद, नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का बाद में पालन किया जाएगा:-

- प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन निष्कर्षों के प्रकाशन से 30 दिनों के भीतर इन अनंतिम निष्कर्षों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक समझी जाने वाली सीमा तक इन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा।
- प्राधिकारी संबद्ध जांच के संगत अपने मतों को प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने के लिए नियम 6(6) के संदर्भ में एक मौखिक सुनवाई आयोजित करेंगे।
- मौखिक सुनवाई की तारीख डीजीटीआर वेबसाइट (dgtr.gov.in) पर प्रकाशित की जाएगी।
- प्राधिकारी अनिवार्य समझी जाने वाली सीमा तक आगे का सत्यापन करेंगे।
- प्राधिकारी अपने अंतिम जांच परिणामों को प्रस्तुत करने से पहले पाटनरोधी नियमों के अनुसार अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

अनन्त स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st May, 2024

PRELIMINARY FINDINGS**Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of “Trichloro Isocyanuric Acid” originating in or exported from China PR and Japan.****A. BACKGROUND OF THE CASE**

F. No. 6/20/2023-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as “the Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the “Anti-Dumping Rules” or “the Rules”);

1. Whereas, Bodal Chemicals Limited (hereinafter referred to as the “applicant” or the “domestic industry”) filed an application, before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 and the Anti-Dumping Rules for initiation of an anti-dumping investigation concerning imports of the Trichloro Isocyanuric Acid (hereinafter also referred to as the “product under consideration” or the “subject goods” or “TCCA”) originating in or exported from China and Japan (hereinafter also referred to as the “subject countries”).
2. And whereas, in view of the duly substantiated application filed by the applicant, the Authority issued a public notice vide Notification No. 6/20/2023-DGTR dated 30th September 2023, published in the Gazette of India, initiating an anti-dumping investigation into imports of the product under consideration from China PR and Japan in accordance with Rule 5 of the anti-dumping rules to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping of the subject goods and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - a. The Authority notified the embassies of the subject countries in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - b. The Authority issued a public notice dated 30th September 2023, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning the import of the subject goods from subject countries.
 - c. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Governments of the subject countries, through their embassies in India, known producers and exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as well as other interested parties, as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within the prescribed time limit.
 - d. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Governments of the subject countries, through their embassies in India, in accordance with Rule 6(3) of the Anti-Dumping Rules. A copy of the non-confidential version of the application was provided to other interested parties, wherever requested.
 - e. The Authority also forwarded a copy of the notice to known producers/exporters from the subject country, known importers/users in India, other Indian producers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 30 days of the initiation notification. The Authority sent an Exporter’s Questionnaire to the

following known producers/exporters to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

- i. Kemi Industrial Co Ltd
 - ii. Hebei Jiheng Chemical Co., Ltd
 - iii. Shandong Lantian Disinfection Technology
 - iv. Zhucheng Taisheng Chemical Co., Ltd.
 - v. Nissei Corporation
 - vi. Qingdao Chengkang Chemical Co.
 - vii. Aguatec Industrial Co. Limited
 - viii. Rhonda Industrial Co., Limited
 - ix. Rizhao Haomiao Biotechnology Co. Ltd
 - x. Henan Sinowin Chemical Industry Co. Ltd
- f. The embassies of the subject countries in India were requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit.
- g. In response to the initiation of the subject investigation notification, the following producers/exporters from the subject countries have responded by filing a questionnaire response:
- i. Shandong Daming Science & Technology Co., Ltd.
 - ii. Qingdao Profeliz Biological Technology Co., Ltd.
 - iii. Hong Kong Sean International Limited
 - iv. Shandong Lantian Disinfection Technology Co., Ltd.
 - v. Puyang Cleanway Chemicals Limited
 - vi. Shandong Goldenstar Water Environment Technology Co., Ltd.
 - vii. Hebei Xingfei Chemical Co., Ltd.
 - viii. Nissei Corporation
- h. The Authority sent Importer's Questionnaire to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.
- a. Ganesh Chem Industries Private Limited
 - b. Acuro Organics Limited
 - c. Keshav Hichem Private Limited
 - d. Paari Chem Resources LLP
 - e. Padma Polymers
 - f. Kemox Corporation
 - g. Phoenix Overseas Ltd.
 - h. Classic Chemicals
 - i. Pawar Chemicals
 - j. Pee Aar Automotive Technologies Private Limited
 - k. Bharat Jyoti Impex
 - l. Shree Chemicals Industries Private Limited
- i. A copy of the initiation notification and non-confidential version of the application was sent to the following associations.
- i. FIEO
 - ii. FICO
 - iii. ASSOCHAM
 - iv. CII
- j. A copy of the initiation notification and non-confidential version of the application was sent to the following ministries on 6th October 2023 however the Authority has not received any comments:
- m. Department of Chemicals and Petrochemicals, Ministry of Chemicals and Fertilizers
 - n. Ministry of Textiles
 - o. Ministry of Consumer Affairs
- k. In response to the initiation of the subject investigation notification, the following importers/users from the subject countries have responded by filing a questionnaire response:
- i. Nissan Agro Tech India Private Limited
 - ii. Keshav Biochem Private Limited

- l. The Authority made available the non-confidential version of the submissions made by the various interested parties. A list of all the interested parties was uploaded on the DGTR website along with the request to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all the other interested parties.
- m. Request was made to the DG System to provide the transaction-wise details of imports of the subject goods for the injury period and also the period of investigation. The Authority has relied upon the DGS data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions.
- n. The non-injurious price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- o. The period of investigation (POI) for the purpose of the present investigation is 1st April 2022 to 31st March 2023 (12 months). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods 2019-20, 2020-21, 2021-22 and the period of investigation.
- p. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, to the extent supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority, in these preliminary findings.
- q. Information provided by the interested parties on a confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on a confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on a confidential basis.
- r. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the views/observations on the basis of the facts available.
- s. On 9th November 2023, the Authority conducted a virtual meeting where all the interested parties were invited to give their comments on the scope of the product under consideration and PCN methodology.
- t. The Authority has considered all the arguments raised and information provided by all the interested parties up to this stage, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation. The Authority will further examine the evidentiary documents submitted by the interested parties subsequent to preliminary findings, which will form the basis for conclusions at the time of final findings.
- u. ‘***’ in this notification represents information furnished by an interested party on a confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- v. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US\$ = ₹ 81.06.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as “Trichloro Isocyanuric Acid”, also referred to as TCCA.

“3. The product under consideration (‘PUC’) in the present petition is “Trichloro Isocyanuric Acid”, also referred to as TCCA. TCCA is a chemical compound commonly used as a disinfectant, bleaching agent and water treatment chemical. It is a white crystalline powder with a strong chlorine odour. TCCA is a powerful oxidizing agent and is widely used in swimming pools, as well as for industrial water treatment and sanitation.”

TCCA is a disinfectant, algicide, and bactericide mainly for swimming pools and dyestuffs. It is also used as a bleaching agent in the textile industry. It is widely used in civil sanitation for pools and spas, preventing and curing diseases in animal husbandry & fisheries, fruit & vegetable preservation, wastewater treatment, as an algicide for recycled water in industry and air conditioning, in anti-shrink treatment for woollens, for treating seeds and in organic chemical synthesis.

The product under consideration is classified under Chapter 29, under tariff codes 2933 6910 and 2933 6990. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the present investigation."

C.1 Views of other interested parties

5. The other interested parties have proposed the following PCN methodology for the product under consideration based on the product type (tablet, granular and powder) and packaging.

Field Description	Field format	Values	Explanation
Product type	Text	1	P = Powder
			G = Granular
			T = Tablet
			O = Others
If tablet, eight/tablet	Number or Text	1	1 = Tablet of 200gr
2 = Tablet of 1-199gr			
3 = other tablets			
If granular, mesh/granular			4 = 5-8 mesh
5 = 8-30 mesh			
6 = other mesh			
For powder, indicate P			P = powder
Packaging	Number	2	01 = Package of 1000 kg
			02 = 25 Kg Small bag only
			03 = 25 Kg Plastic Drum, can or any other cylinder only
			04 = 1kg bag in 25 Kg Plastic Drum, can or any other cylinder
			05 = one tablet in one bag in a 25 Kg Plastic Drum, can or any other cylinder
			06 = 1kg tube in 25 Kg Plastic Drum, can or any other cylinder
			07 = 50 Kg Carbon/fiber Drum, can or any other cylinder only
			08 = 1kg bag in 50 Kg Carbon/fiber Drum, can or any other cylinder
			09 = one tablet in one bag in a 50 Kg Carbon/fiber Drum, can or any other cylinder
			10 = 1kg tube in 50 Kg Carbon/fiber Drum, can or any other cylinder
			11 = 50 Kg Plastic Drum, can or any other cylinder only
			12 = 1kg bag in 50 Kg Plastic Drum, can or any other cylinder
			13 = one tablet in one bag in a 50 Kg Plastic Drum, can or any other cylinder
			14 = 1kg tube in 50 Kg Plastic Drum, can or any other cylinder
			15 = Others

C.2 Views of the domestic industry

6. The submissions of the domestic industry with regard to the product under consideration and like article are as follows:
- i. There is no need for framing a PCN for powder, granular and tablet.
 - ii. There is no consistent difference between the price of tablets and granular.
 - iii. There is no material difference in the cost of granules and tablets after making powder.
 - iv. The mesh sizes are achieved at the time of making granules and the difference in cost of making granules from powder for different mesh sizes are not materially different.
 - v. No raw material is added at the stage of granulation and the only cost incurred is electricity and labour charges.
 - vi. The cost of production should be determined excluding the packaging cost and price adjustments should be accepted for packaging, consistent with past investigations of the Authority, the exporter's questionnaire issued by the DGTR, and the exporter's questionnaires issued by various jurisdictions such as USA, EU, Australia and Turkey, where packaging has been treated as an item of adjustment towards price differences.

C.3 Examination by the Authority

7. The Authority had granted an opportunity to all the interested parties to file their submissions on the scope of the PUC and PCNs. Further, the interested parties were asked to provide the details of cost and selling price differences for different parameters and values as suggested in their proposed PCN methodology.
8. Comments were filed by "Qindao Profeliz Biological Technology Co., Ltd.", "Shandong Lantian Disinfection Technology Co., Ltd." and "Hong Kong Sean International Limited from China PR and the said producers/exporters proposed certain PCNs for the product under consideration. However, the producers/exporters did not provide proper justification and the cost and pricing differences among the different PCNs proposed.
9. The domestic industry was also asked to provide its comments on the cost and pricing differences in the PCNs proposed by the producers/exporters. As per the response of the domestic industry, the difference in the cost of making granules from powder for different mesh sizes is not materially different. Since there is no raw material added at the stage of granulation the only cost incurred is electricity and labour charges. The domestic industry has further submitted that as per the import data, the subject goods are imported in granular and tablets only and that there is no consistent difference between the prices. Tablet has been imported at a price below granular in several months, and at a price higher than granular in several months. There is no cost difference between different mesh sizes. Thus, the difference in cost of different mesh sizes is grossly insufficient to frame different PCNs.
10. Based on the information supplied by the interested parties, the Authority concluded that there is no evidence to suggest significant cost/price differences among various product forms. Further, it is noted that the difference in packing cost is not required to be considered as an element of PCN. The interested parties may claim the same as an adjustment towards the price of the product.
11. Accordingly, vide notification F. No. 6/20/2023-DGTR dated 3rd January 2024 the Authority notified that there is no change in the scope of the product under consideration as defined in the initiation notification and there is no need for PCN methodology in the subject investigation.
12. Accordingly, the scope of the product under consideration is provisionally determined as follows.

3. The product under consideration ('PUC') in the present petition is "Trichloro Isocyanuric Acid", also referred to as TCCA. TCCA is a chemical compound commonly used as a disinfectant, bleaching agent and water treatment

chemical. TCCA is a powerful oxidizing agent and is widely used in swimming pools, as well as for industrial water treatment and sanitation. It can be produced in powder, tablet and granular form.

TCCA is a disinfectant, algicide, and bactericide mainly for swimming pools and dyestuffs. It is also used as a bleaching agent in the textile industry. It is widely used in civil sanitation for pools and spas, preventing and curing diseases in animal husbandry & fisheries, fruit & vegetable preservation, wastewater treatment, as an algicide for recycled water in industry and air conditioning, in anti-shrink treatment for woollens, for treating seeds and in organic chemical synthesis.

The product under consideration is classified under Chapter 29, under tariff codes 2933 6910 and 2933 6990. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the present investigation.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1 Views of other interested parties

13. The other interested parties have not made any submissions with regard to the scope of domestic industry and standing.

D.2 Views of the domestic industry

14. The submissions of the domestic industry with regard to the scope of domestic industry and standing are as follows:
- The present application has been filed by Bodal Chemicals Limited (BCL), which is the sole producer of the subject goods in India.
 - The plant for the subject goods was set up by Trion Chemicals Private Limited and BCL acquired a 100% stake in Trion Chemicals Private Limited.
 - There are no known differences in the products produced by the domestic industry and the goods imported from the subject countries.
 - The domestic industry has not imported the subject goods from the subject countries and is not related to any exporter of the subject goods in the subject countries or importer of the subject goods in India.

D.3 Examination by the Authority

15. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines the domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

16. The application has been filed by Bodal Chemicals Limited (BCL). The applicant is the sole producer of the subject goods in India. The plant was set up by Trion Chemicals Private Limited and BCL acquired a 100% stake in the company. The company commenced commercial production on ***.
17. The applicant has stated that they have not imported the subject goods from the subject countries and that they are not related to any exporter of the subject goods in the subject countries or importer of the subject goods in India. Further, the production of the applicant accounts for the entirety of the total domestic production. Thus, the applicant constitutes domestic industry as defined under Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules, and the application satisfies the requirement of standing in terms of Rule 5(3) of the Anti-Dumping Rules.

E. CONFIDENTIALITY**E.1 Views of other interested parties**

18. The other interested parties have not made any submissions with regard to the confidentiality claimed by the domestic industry. However, in response to the submissions made by the domestic industry, the interested parties have submitted as under.
- i. The producers/exporters have provided the list of the products and production volume while the domestic industry has not provided the products sold by them in the non-confidential version of the application.
 - ii. The producers/exporters have disclosed the related parties in their questionnaire responses.
 - iii. The producers/exporters have provided the production process.
 - iv. Since the producers/exporters have not claimed Market Economy status, the details related to the raw materials are not relevant for working out the Normal Value. The expenses/adjustments reported for exports to India are incurred on an actual basis.
 - v. Information on exports to India including details of importers and adjustments is highly business sensitive and disclosure of the same will have serious consequences.

E.2 Views of the domestic industry

19. The domestic industry has not made any submissions with regard to the confidentiality claimed by the other interested parties.
- i. The producers/exporters have claimed the names of the products produced and sold are confidential.
 - ii. The producers/exporters have claimed the information with regard to related parties engaged in the production of the subject goods has been claimed confidential.
 - iii. The producers/exporters have claimed the writeup of the broad stage-wise production process and the raw materials used in the production of the subject goods have been claimed confidential.
 - iv. The producers/exporters have claimed the channel of distribution for the sale of the subject goods has been claimed confidential.
 - v. The producers/exporters have claimed the methodology used for reporting certain adjustments is confidential.
 - vi. The producers/exporters have claimed that the subject goods produced by the domestic industry do not meet the quality standards without any evidence or information.

E.3 Examination by Authority

20. The Authority made available the non-confidential version of the information provided by the various parties to all the other interested parties as per Rule 6(7).
21. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:

“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on a confidential basis to furnish a non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible to summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) *Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.*”

22. The information provided by the interested parties on a confidential basis was examined with regard to the sufficiency of such claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, the parties providing information on a confidential basis were directed to provide a sufficient non-confidential version of the information filed on a confidential basis. The Authority also notes that all interested parties have claimed their business-related sensitive information as confidential.

F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

F.1 Views of other interested parties

23. The other interested parties have not made any submissions with regard to normal value, export price and dumping margin.

F.2 Views of the domestic industry

24. The submissions of the domestic industry with regard to the normal value, export price and dumping margin are as follows:
- i. China PR should be treated as a non-market economy in accordance with Article 15(a)(i) of China's Accession Protocol and the normal value should be determined in terms of Annexure I, Rule 7 of the Rules.
 - ii. The domestic industry has determined the normal value based on the price in a market economy third country. For this purpose, it has considered the exports of the product under consideration from India to a third country.
 - iii. The domestic industry has submitted that the producers of the subject goods are concentrated only in a few countries and apart from the subject countries, the subject goods are produced in the USA and Spain. Therefore, the appropriate market economy third country can only be the USA or Spain. Since the domestic industry itself has exported the subject goods to the USA, it has taken the landed price of the goods exported from India to USA to determine the normal value. Since normal value has been determined based on the price in a market economy third country, other bases of determination are not relied upon.
 - iv. For Japan, the domestic industry has submitted that it made efforts to determine normal value based on the direct selling price in these countries but there was no publicly available evidence for the same. Accordingly, the domestic industry has determined the cost of production in the country. For this purpose, the domestic industry relied upon the import price of caustic soda in Japan based on information available on the Trade Map. Additionally, the domestic industry has determined prices of the other raw materials and utilities, as well as other factors of cost of production on the basis of available information and adjusted for addition of selling, general and administrative expenses and reasonable profits.
 - v. Export price must be determined considering the volume and value of imports for the proposed period of investigation adopted from the published DGCIS data after due adjustments are made to determine the ex-factory price.
 - vi. The dumping margin for the subject countries is not only above the *de minimis* levels, but also significant.

F.3 Examination by the Authority

25. Under section 9A(1)(c), the normal value in relation to an article means:

“i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
 ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic*

market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);
(b) Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin."

26. The Authority notes that the following producers/exporters of the subject goods have filed exporter's questionnaire responses:

- a. Shandong Daming Science & Technology Co., Ltd.
- b. Qingdao Profeliz Biological Technology Co., Ltd.
- c. Hong Kong Sean International Limited
- d. Shandong Lantian Disinfection Technology Co., Ltd.
- e. Puyang Cleanway Chemicals Limited
- f. Shandong Goldenstar Water Environment Technology Co., Ltd.
- g. Hebei Xingfei Chemical Co., Ltd.
- h. Nessei Corpoartion

F.3.1 Determination of Normal Value and Export Price

Normal Value for China

27. The Authority notes the following relevant provisions with regard to the determination of normal value for China PR. Provisions under Para 7 and Para 8 of Annexure I to the Anti-Dumping Rules are as under:

"7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner [keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question] and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation if any made in a similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay of the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

"8. (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an antidumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether: (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values; (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts; (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws

which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.

(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as a market economy country, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub-paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a Member of the World Trade Organization.”

28. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption of treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information on whether their data/information could be adopted for normal value determination. The Authority sent copies of the market economy treatment/supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters in China PR to provide relevant information in this regard.

29. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows:

“(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector.”

30. The Authority notes that while the provisions of Article 15 (a)(ii) of China PR's Accession Protocol have expired with effect from 11th December 2016, the provision under Article 2.2.1.1 of the Anti-Dumping Agreement read with an obligation under 15(a)(i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in Para 8 of Annexure 1 of Anti-Dumping Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire for claiming MET status. The Authority notes that no producer or exporter from China PR has submitted market economy treatment or supplementary questionnaire response. Therefore, the normal value computation for these producers/exporters is required to be determined in terms of provisions of Para 7 of Annexure-1 of Anti-Dumping Rules.

31. The Authority notes that none of the producers/exporters from China PR has filed the supplementary questionnaire response to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure – I of the Rules. Under these circumstances, the Authority has to proceed in accordance with para 7 of Annexure – I of the Rules.
32. It is noted that paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules stipulates three methods of constructing the normal value for Non-Market Economies: (a) on the basis of price or constructed value in a market economy third country; (b) export price from a third country to other countries, including India; and (c) on any other reasonable basis. The Authority notes that under the provisions of paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules, the normal value must first be determined on the basis of the price or constructed value in a surrogate country, or the price of the exports from such country to other countries, including India.
33. At the stage of filing the application, the domestic industry provided the calculation for the normal value based on the price in a market economy third country. The domestic industry considered exports made by it to USA and has taken the price of such goods in USA to determine the normal value. The applicant has provided that the producers of the subject goods are concentrated only in a few countries, including USA and Spain. There is no information furnished by any other party with respect to the price or constructed value of the subject goods produced in a market economy third country.
34. It is noted that where the normal value is determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country, the market economy third country is required to be determined having regard to the level of development of the country concerned and the product in question. In this regard, the domestic industry could not provide proper justification for how USA can be considered as an appropriate market economy third country. Further, apart from the subject countries in the present investigation, imports into India from other countries are very low in volume.
35. Therefore, the Authority has decided to construct normal value based on the third method, i.e., on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India. The Authority has constructed the normal value on the basis of the price paid or payable in India.
36. For this purpose, the Authority has considered the optimized cost of production of the domestic industry, with a reasonable addition of selling, general and administrative expenses and profits.

Export price for Shandong Lantian Disinfection Technology Co, Qingdao Profeliz Biological Technology Co., Ltd and Hong Kong Sean International Limited

37. Shandong Lantian Disinfection Technology Co (“Lantian”) is a producer of the subject goods in China PR. Lantian has exported the subject goods directly to unrelated customers in India. Lantian has also exported the product under consideration through its subsidiary Qingdao Profeliz Biological Technology Co (Qingdao). Qingdao has directly exported the product under consideration to unrelated customers in India. In some cases, Qingdao has further sold the goods to related traders in China - Hong Kong Sean International Limited (HKIL). HKSIL has exported the goods to unrelated customers in India.
 Lantian→Unrelated customer in India
 Lantian→ Qingdao→ HKSIL→ Unrelated customer in India
 Lantian→ Qingdao→Unrelated customer in India
38. It is noted that during the POI, Lantian has exported *** MT of the PUC directly to unrelated customers in India and *** MT through a related trader. The adjustments towards inland freight, ocean freight, insurance, port expenses, credit cost and bank charges claimed, have been accepted for the purpose of present preliminary findings. Accordingly, the Authority has provisionally determined the export price, as mentioned in the dumping margin table below.

Export price for Puyang Cleanway Chemicals Limited

39. Puyang Cleanway Chemicals Limited (“Puyang”) is a producer of the subject goods in China PR. Puyang has exported the subject goods directly to unrelated customers in India.

40. It is noted that during the POI, Puyang has exported *** MT of the PUC directly to unrelated customers in India. The adjustments towards inland freight, ocean freight, insurance and port expenses have been accepted for the purpose of present preliminary findings. Accordingly, the Authority has provisionally determined the export price, as mentioned in the dumping margin table below.

Export price for Shandong Goldenstar Water Environment Technology Co., Ltd, Weifang Alpha International Trading Co., Ltd and Qingdao Thor Industrial Co., Ltd, Hydrotech Investment Corporation Limited

41. Shandong Goldenstar Water Environment Technology Co., Ltd. (“Goldenstar”) is a producer of the subject goods in China PR. Goldenstar has exported the subject goods through related and unrelated traders in India. Weifang Alpha International Trading Co., Ltd (Alpha International) is a related trader of Goldenstar that has exported the product under consideration to un-related customers in India. Goldenstar has also sold the product under consideration through two unrelated traders - Hydrotech Investment Corporation Limited (Hydrotech) and Qingdao Thor Industrial Co., Ltd (Thor International) which have exported the product under consideration to unrelated customers in India.

Goldenstar→Hydrotech→Unrelated customer in India

Goldenstar→ Alpha International→ Unrelated customer in India

Goldenstar→ Thor Industrial→ Unrelated customer in India

42. It is noted that during the POI, Goldenstar has exported *** MT of the PUC through its related traders and *** MT through unrelated traders to unrelated customers in India. The adjustments towards inland freight, port expenses and credit costs have been accepted for the purpose of present preliminary findings. Accordingly, the Authority has provisionally determined the export price, as mentioned in the dumping margin table below.

Export price for Hebei Xingfei Chemical Co., Ltd. (“Hebei”) and Hydrotech Investment Corporation Limited

43. M/s. Hebei Xingfei Chemical Co., Ltd. filed a questionnaire response as a producer and Hydrotech Investment Corporation Limited as an exporter. Analysis of questionnaire responses showed that the company reported exports of *** MT in April 2022. Analysis of documents however shows that the company has invoiced the material on 10 March 2022 and 31 March 2022. However, the invoice date has been reported as 2 April 22 and 15 April 22 in Appendix 3B. It is, thus, noted that the company has misrepresented the date of export in its exports to India data. Since the commercial invoice provided by the company clearly showed that the goods were invoiced on 10 March 2022 and 31 March 22, i.e., prior to POI, the Authority has provisionally not determined the dumping margin in respect of exports made by the producer.

Export price for Shandong Daming Science and Technology Co. Ltd

44. Shandong Daming Science and Technology Co., Ltd (“Daming”) is a producer of the subject goods in China PR. Daming has exported the subject goods directly to unrelated customers in India.
45. It is noted that during the POI, Daming has exported *** MT of the PUC directly to unrelated customers in India. The adjustments towards inland freight, ocean freight, insurance, port expenses and bank charges have been accepted for the purpose of present preliminary findings. Accordingly, the Authority has provisionally determined the export price, as mentioned in the dumping margin table below.

Export price for all non-cooperative producers/exporters from China PR

46. The export price for other non-cooperative producers/exporters from China has been determined based on facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

Normal value for Japan

47. It is noted that Nissei Corporation, an exporter/trader from Japan has filed a response to the Exporter Questionnaire Response. However, no producer from Japan has filed a response and provided the information required for the calculation of normal value. Since the dumping margin is determined for the producer, and not

the exporter, no individual margin can be accorded to Nissei Corporation. No other producer from Japan has filed a response. Accordingly, the Authority has determined the normal value for producers and exporters of Japan based on facts available and the same is mentioned in the dumping margin table below.

Export price for Japan

48. The export price for producers/exporters has been determined based on facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

F3.3. Dumping Margin

The normal value, export price and dumping margin determined in the present investigation are as follows:

Dumping Margin Table

Producer	Normal Value (USD/MT)	Export Price (USD/MT)	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin
					(Range)
China					
Shandong Goldenstar Water Environment Technology Co., Ltd	***	***	***	***	55-65
Puyang Cleanway Chemicals Limited	***	***	***	***	40-50
Shandong Daming Science and Technology Co. Ltd	***	***	***	***	50-60
Shandong Lantian Disinfection Technology Co	***	***	***	***	60-70
Any Other	***	***	***	***	70-80
Japan					
Any Other	***	***	***	***	5-15

G. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

G.1 Views of other interested parties

49. The other interested parties have not made any submissions with regard to injury and causal link.

G.2 Views of the domestic industry

50. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the injury and causal link;
- Despite the presence of the domestic industry, the imports have dominated the entire market. The imports constitute ***% of the market share during the period of investigation.
 - The volume of imports from the subject country was *** times the Indian production in the period of investigation, despite there being no demand-supply gap in the country. This clearly shows that the exporters are flooding the Indian market to drive out the domestic industry.
 - Even though the imports declined between 2020-21 and 2021-22, that was due to a decline in consumption owing to Covid related situations. However, the situation changed during the period of investigation and the imports were the highest during the period of investigation, increasing sharply by 149%.
 - The dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry, and the undercutting is significantly positive during the period of investigation.
 - The subject imports have continuously caused strain on the prices of the domestic industry as they were priced lower than the selling price of the domestic industry throughout the injury period.

- vi. In the period of investigation, the cost of sales increased sharply. However, despite the increase in costs, the exporters did not increase their prices proportionately and the same were below the cost of sales.
- vii. The imports are priced below the variable cost of the domestic industry. This means that it is not possible for the domestic industry to compete with the import price. This creates a demand for the imported goods.
- viii. The dumped imports have had a suppressing effect on the prices of the domestic industry.
- ix. Due to the multiple shutdowns, the domestic industry had only ***% of its capacity available. Despite this, the domestic industry has been able to utilize only ***% of its deployed capacity during the period of investigation. Thus, the domestic industry has utilized a meagre ***% of its total capacity available.
- x. The share of the domestic industry in the demand is a meagre ***%, despite having sufficient capacity to meet the Indian demand.
- xi. It has sold only *** % of its production in the domestic market, which is also at a loss.
- xii. Due to the constant pressure of dumped imports, the domestic industry has not been able to dispose of its production sufficiently. As a result, the domestic industry was forced to undertake exports at losses to dispose of their inventories to avoid piling up the goods.
- xiii. Even the average inventory holding period of the domestic industry is too high to allow sustainable operations, at *** months.
- xiv. In the period of investigation, the profitability of the domestic industry has declined by nearly 587% when compared to the previous year. The domestic industry has faced losses of nearly *** with cash losses and a negative return of ***%.
- xv. The applicant had to shut down its plant multiple times during the injury period and shut down its operation on ***, due to continuous dumping from the subject countries and has not been able to restart it during the period of investigation.
- xvi. There is a critical need for the imposition of an interim duty in the present case. because the domestic industry has been struggling to maintain its operations, leaving aside reaching desired levels.

G.3 Examination by the Authority

- 51. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on the domestic producers of such articles...". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-Dumping Rules.
- 52. The Authority has examined the arguments and counterarguments of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties.

G.3.1 Cumulative assessment of injury

- 53. Article 3.3 of the WTO agreement and para (iii) of Annexure II of the Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
 - a. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as a percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively account for more than seven per cent of the import of like article, and

- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

54. The Authority notes that:

- The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margin of dumping from each of the subject countries is more than the *de minimis* limits prescribed under the Rules.
- The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
- Cumulative assessment of the effects of import is appropriate as the imports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

55. In view of the above, the Authority considers that it is appropriate to assess the effect of dumped imports of the subject goods from China PR and Japan on the domestic industry.

G.3.2 Volume effect of the dumped imports

a) Assessment of demand / apparent consumption

56. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product concerned in India as the sum of the domestic sales of the domestic industry and other Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	POI
Sales of applicant	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	39	1,345	1,173
Subject imports	MT	4,414	1,742	1,917	6,433
Other imports	MT	0	42	21	100
Consumption	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	40	53	155

57. It is seen that the demand for the subject goods declined in 2020-21 but increased gradually thereafter.

b) Import Volumes from the subject countries

58. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction-wise import data procured from DG Systems. The import volumes of the subject goods from the subject country and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	POI
Subject imports	MT	4,414	1,742	1,917	6,433
China	MT	4,211	1,710	1,705	6,203
Japan	MT	203	33	212	230
Other Countries	MT	-	42	21	100
Total imports	MT	4,414	1,784	1,938	6,533
Production	MT	***	***	***	***
Subject import in relation to:					

Total imports	%	100	98	99	98
Production	Indexed	100	401	344	257
Production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	10	13	57
Consumption	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	82	94

59. It is seen that-

- The imports declined between 2020-21 and 2021-22, but significantly increased thereafter and were the highest during the period of investigation.
- The imports from the subject countries constitute almost the entirety of the imports into the country, with a share of ***% during the period of investigation.
- The imports in relation to production were higher in the base year but declined in 2020-21. Again, the subject imports increased substantially in the POI.
- The subject imports in absolute terms are highest in the POI and have increased by around 236% compared to the previous year.
- The imports in relation to consumption have increased by 11% as compared to the previous year.

60. The domestic industry has also emphasized that the imports from the subject countries decreased in 2020-21 and 2021-22 due to Covid but have increased by 236% during the period of investigation.

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
Subject imports	MT	4,414	1,742	1,917	6,433
Rate of increase	%		-61%	10%	236%

61. It is seen that after declining in 2020-21, the imports have increased at a significant rate during the period of investigation.

G.3.3 Price effect of the dumped imports

62. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, with regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

a) Price undercutting

63. Price undercutting has been determined by comparing the net sales realization of the domestic industry with the landed price of the imports for the period of investigation. It is seen that the price undercutting is positive and significant during the period of investigation.

Particulars	Unit	POI
Net selling price	₹/MT	***
Landed Price	₹/MT	1,55,707
Price undercutting	₹/MT	***
Price undercutting	%	***
Range	Range	30-40%

64. It is noted that during the period of investigation, the subject imports were undercutting the prices of the domestic industry. Further, the price undercutting was significant.

b) Price suppression/depression

65. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in the normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, were compared as below.

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	POI
Cost of Sales (Domestic)	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	74	111
Selling Price	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	130	144
Landed Price	₹/MT	1,17,929	1,05,265	1,66,360	1,55,707
Trend	Indexed	100	89	141	132

66. It is noted that the landed value of the imports was below the selling price of the domestic industry throughout the injury period.
67. During the period of investigation, the cost of sales of the domestic industry sharply increased. However, the prices of imports have reduced and were much below the cost of sales of the domestic industry. This prevented the domestic industry from increasing its price in line with the increase in cost. It is, therefore, noted that the imports have prevented price increases, which otherwise, would have occurred.
68. The domestic industry has also claimed during the period of investigation, the prices of one of the raw materials i.e., cyanuric acid increased by 70%. However, the landed price of the goods has not increased. Accordingly, the domestic industry was not able to increase its prices commensurate with the increase in raw material cost.

Period	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
Caustic Soda Lye Prices	***	***	***	***
Trend	100	48	86	131
Cyanuric acid	***	***	***	***
Trend	100	82	79	135
Cost of raw materials	***	***	***	***
Trend	100	70	74	125

G.3.4 Economic parameters of the domestic industry

69. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

a) Production, capacity, capacity utilization and sales volumes

70. Capacity, production, sales and capacity utilization of the domestic industry over the injury period were as below:

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	POI
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	401	344	257
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	401	345	257
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	39	1345	1172
Export Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	197	83

71. It is seen that –

- The domestic industry shut down its plant on *** and has not been able to restart it during the period of investigation.
- The capacity utilization of the domestic industry was ***% of the installed capacity during the period of investigation.
- The domestic sales are negligible, in comparison to the total capacity and total production.
- The domestic industry has been able to sell only ***% of its production in the domestic market.

72. It is also seen from the information provided that the domestic industry exported the majority of its production during the period of investigation at losses, clearly showing that the domestic industry was constrained to export the product to restrict inventory pile up.

Particular	UOM	Rs/MT
Selling price (exports)	Rs/MT	***
Cost of sales (exports)	Rs/MT	***
Profit	Rs/MT	(***)

b) Market share

73. Market share of the domestic industry and of imports was as shown in the table below:

Market share	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	POI
Domestic industry	%-Indexed	100	100	1700	500
Subject imports	%-Indexed	100	98	83	94
Other Imports	%-Indexed		100	50	50

74. It is noted that despite being the sole producer of the subject goods in India and having the capacity of approx. 90% of the demand, the share of the domestic industry in the Indian market is only *** %. The imports from the subject countries have continued to dominate the Indian market throughout the injury period with a ***% share during the period of investigation.

c) Inventories

75. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	POI
Opening Inventory	MT	***	***	***	***
Closing Inventory	MT	***	***	***	***
Average Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	154	182	99

76. It is noted that the average inventories of the domestic industry have continuously increased till 2021-22 and have decreased only during the period of investigation. However, the domestic industry has nevertheless, not been able to dispose of its production in the domestic market. Further, it is seen that the average inventory holding period of the domestic industry is *** days.

d) Profitability, cash profits and return on capital employed

77. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period are given in the table below:

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	POI
Cost of sales (domestic)	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	74	111
Selling price	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	130	144
Profit/ (loss)	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-75	11	-59
Profit/ (loss)	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-29	142	-679
Cash Profit	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-25	450%	-575
Return of investment	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-72	33	-89

78. It is noted that that –
- The domestic industry was in losses in the first two years of the injury period but in 2021-22, it earned profits. However, during this period, the profitability was low, and the domestic industry earned a return of only ***% on capital employed.
 - During the period of investigation, the profitability of the domestic industry has deteriorated by nearly ***% compared to the previous year.
 - The applicant has incurred losses and cash losses and is suffering negative return on investment during the period of investigation. The applicant has faced a negative return on investment of ***%.

e) Employment, productivity and wages

79. The Authority has examined the information relating to employment, wages and productivity, as given below.

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	POI
No. of employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	132	134

Salaries & Wages	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	151	147
Productivity per day	MT/Days	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	400	300	300
Productivity per employee	MT/Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	320	260	180

80. It is noted that the no of employees and salaries were the highest during the period of investigation but the productivity per employee has reduced after 2020-21, in response to the decline in production. The domestic industry has not claimed injury on this account.

f) Growth

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
Production	%	-	301%	-14%	-26%
Domestic sales	%	-	-61%	3319%	-13%
Profit / Loss	%	-	-71%	-582%	-587%
Cash Profits	%	-	-75%	-1872%	-228%
Return on capital employed	%	-	5	18	-22

81. It is noted that production of the domestic industry increased in 2020-21, but showed decline thereafter. The domestic sales also increased in 2021-22 and then decreased in the period of investigation. The domestic industry has been in losses throughout the injury period, which were the highest in the period of investigation. Therefore, the domestic industry has faced deterioration in respect of all parameters.

g) Impact on the ability to raise capital investment

82. The domestic industry has incurred steep losses and is facing negative returns. The EBIDTA is negative and has only deteriorated over the injury period. The negative EBIDTA shows that the domestic industry is not earning enough to even meet its present obligations and there is a negative impact on the ability to raise capital investment.

h) Factors affecting prices

83. It is noted that the domestic industry has not been able to increase its prices to a remunerative level during the period of investigation. The imports have forced the domestic industry to sell the goods below cost. Further, the low-priced imports have also resulted in low market share, and underutilized capacity which ultimately forced the applicant to close its operations. Thus, the subject imports have affected the prices of the domestic industry.

i) The magnitude of dumping

84. There is significant dumping of the subject goods from the subject countries which has destroyed the conditions of fair competition in the market.

G.3.5 Overall assessment of injury

85. The examination of the imports of the subject product and the performance of domestic industry clearly shows that:

- i. Despite the fact that the domestic industry has enough capacity to cater to the approx. 90% entire Indian demand, the imports have dominated the market.
 - ii. The imports reduced in 2020-21 and 2021-22 but increased by 236% thereafter and were the highest during the period of investigation.
 - iii. The imports are ***% higher than the production of the domestic industry and constitute ***% of the Indian market.
 - iv. The imports from the subject countries constitute 100% of imports of the product under consideration in India.
 - v. The subject imports are undercutting the prices of the domestic industry. The price undercutting was positive and significant during the period of investigation.
 - vi. The imports have prevented the increase in the selling price of the domestic industry, which otherwise should have occurred.
 - vii. Despite the increase in the prices of the raw materials during the period of investigation, the exporters have not increased the landed price of the imports.
 - viii. Despite having a capacity of *** MT, the deployed capacity of the domestic industry was only *** MT.
 - ix. The domestic industry was forced to shut down its plant on *** and has been unable to restart it during the period of investigation.
 - x. The share of the domestic industry in the demand is only ***% and it has sold only ***% of its production in the domestic market.
 - xi. The domestic industry was forced to export the subject goods at losses to dispose of their inventories. The domestic industry exported the majority of its production during the period of investigation.
 - xii. The average inventory holding period of the domestic industry is very high during the period of investigation.
 - xiii. The domestic industry is suffering significant financial losses. The domestic industry has faced losses with cash losses and a negative return on investment during the period of investigation.
 - xiv. The imports have adversely impacted the ability of the domestic industry to raise further capital investments.
 - xv. The dumping margin is positive and significant.
 - xvi. The imports are affecting the prices of the domestic industry.
86. In view of the foregoing, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury.

G3.6 Non-attribution analysis and causal link

87. Having examined the existence of injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, the Authority has examined whether injury to the domestic industry can be attributed to any factor, other than the dumped imports, as listed under the Rules.
- a) Volume and value of imports from third countries**
88. It is noted that there are no imports from any other country. The imports from the subject countries constitute 100% of the imports in India. Therefore, the injury is not attributable to imports from third countries.
- b) Contraction in demand**
89. The Authority notes that the demand for the subject goods decreased in 2020-21 but increased again in 2021-22 and the period of investigation. The domestic industry has not suffered injury due to a contraction in demand.
- c) Pattern of consumption**
90. It is noted that there has been no material change in the pattern of consumption of the product under consideration, which could have caused injury to the domestic industry.
- d) Conditions of competition and trade restrictive practices**

91. The Authority notes that there is no evidence of conditions of competition or trade restrictive practices that are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- e) Developments in technology**
92. The Authority notes that there has been no change in technology for the production of the subject goods that could have caused injury to the domestic industry since it has set up a new plant for the production of the subject goods.
- f) Productivity**
93. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has increased over the injury period. Therefore, the domestic industry has not suffered injury on this account.
- g) Export performance of the domestic industry**
94. The injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry.
- h) Performance of other products**
95. The Authority has only considered data relating only to the performance of the subject goods. Therefore, the performance of other products produced and sold is not a possible cause of injury to the domestic industry.

G3.7 Conclusions on causal link

96. While other known factors listed under the Rules have not caused injury to the domestic industry, the Authority notes that the following parameters show that injury to the domestic industry is caused by the dumped imports.
- i. There is dumping of the subject goods from the subject countries.
 - ii. The import volume was the highest in the period of investigation. The imports declined in the previous two years only because of demand decline due to Covid.
 - iii. The volume of imports also increased in relation to the consumption and production of the domestic industry and is ***% in relation to the Indian production.
 - iv. Imports control ***% of the market, preventing the domestic industry from gaining a share in the market.
 - v. The subject imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry.
 - vi. The cheaper prices have created a strain on the prices of the domestic industry, preventing price increases, which otherwise would have occurred.
 - vii. Even when the prices of raw materials increased in the period of investigation, the prices of the imports did not increase.
 - viii. The domestic industry has severely under-utilized capacities, with only ***% of the installed capacity.
 - ix. Even after producing at lower levels, it was forced to rely on exports to dispose of its production. The exports are equivalent to ***% of the production.
 - x. The domestic sales are low, with the domestic industry holding a market share of only ***%.
 - xi. The domestic industry was forced to shut down its operations in order to cut down its losses and avoid excessive inventory.
 - xii. The domestic industry has incurred losses and cash losses throughout the injury period except in 2021-22 when the landed price increased. Even the return on investment in the period of investigation was negative.
97. The Authority, thus, provisionally concludes that there exists a causal link between the dumping of the subject goods and injury to the domestic industry.

H. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**H.1. Submissions by other interested parties**

98. The other interested parties have not made any submissions with regard to the Indian industry's interest.

H.2 Submissions by the domestic industry

99. The domestic industry has made the following submissions with regard to the Indian industry's interest:
- i. There is no demand-supply gap in the country for the subject goods.
 - ii. The domestic industry has the capacity to cater to the entire Indian demand and in case of increased demand, it has the infrastructure to increase its capacity to *** MT.
 - iii. The domestic industry has invested nearly ₹ *** crores to set up the plant for the subject goods and make India self-sufficient.
 - iv. If the current situation continues, the domestic industry will have no option but to permanently shut down its operations and India will once again become import dependent.
 - v. In light of the widening trade deficit, it is important to rely more on domestic production capacities. Imposition of duties would allow conservation of the outgoing foreign exchange favourable balance of payment account.
 - vi. TCCA is not a major input or raw material for the downstream industry and consequently it is not a major cost to it either.
 - vii. The downstream industry is likely to bear the increase in the cost of the product since it forms a minuscule part of its cost.
 - viii. The impact of the imposition of anti-dumping duty on TCCA is nearly 0.0008%.
 - ix. Dodhiya Chem Tex Private Limited, Mumbai is planning to set up a plant for TCCA which would ensure that there is no monopoly in India and that the users would have enough sources in the domestic market as well.
 - x. The technology to manufacture the product under consideration is available in the USA and Spain and a plant for production has been recently set up in Bangladesh. The product under consideration can be imported at fair prices from other sources also.

H.3 Examination by the Authority

100. The Authority notes that the primary objective of anti-dumping duties is to rectify the injury inflicted upon the domestic industry by the unjust trade practices of dumping, thereby fostering an environment of open and equitable competition in the Indian market. This is not merely a regulatory measure, but a matter of national interest. The imposition of anti-dumping measures is not designed to curtail imports from the subject countries arbitrarily. Rather, it is a mechanism to ensure a level playing field. The Authority acknowledges that the persistence of anti-dumping duties may influence the price levels of the product in India. However, it is crucial to note that the essence of fair competition in the Indian market will remain unscathed by the continuation of these measures. Far from diminishing competition, the imposition of anti-dumping measures serves to prevent the accrual of unfair advantages through dumping practices. It safeguards the consumers' access to a broad selection of the subject goods. Thus, anti-dumping duties are not a hindrance but a facilitator of fair-trade practices.
101. The Authority issued the initiation notification, inviting views from all interested parties including importers, users and consumers. An Economic Interest Questionnaire was also prescribed to allow various stakeholders, including the domestic industry, producers/exporters and importers/users/consumers to provide relevant information concerning the present investigation, including the possible effect of anti-dumping duty on their operations.
102. The Authority notes that no user of the subject goods has stepped forward to participate before the Authority or furnished a response to the Economic Interest Questionnaire. Furthermore, no party has presented any evidence to indicate the adverse effect of the duties in force. This lack of evidence and silence of the stakeholders

underscores the Authority's position and reinforces the necessity of anti-dumping measures to ensure fair trade practices.

103. The Authority notes that prior to the establishment of the plant by the domestic industry, India was completely import dependent. The domestic industry has heavily invested in the plant to manufacture the subject goods and make India self-reliant. According to the domestic industry, if the dumping from the subject countries continues, the domestic industry will have no option but to permanently shut down its operations.
104. The domestic industry has highlighted that the users will not be adversely impacted by the duties because of the low impact of the duties on the end product. The domestic industry has submitted the impact of measures on the end-consumers in the table below. It is noted that the impact of the duties is quite minuscule. Moreover, the domestic industry has stated that since the subject goods are merely used as a disinfectant to clean the water, it is not a major cost to it either. The Authority notes that TCCA is used as a disinfectant and for water treatment. Thus, it is not a major input or raw material for the downstream industry.

Particulars	Unit	Value
Water Rates in Gujarat	₹/ 1000 Litres	56.59
Water Rates in Gujarat	₹/Litres	0.057
TCCA Consumption - 1,00,000 litres	Gram	300
TCCA Rate	₹/MT	1,64,996
TCCA Rate	₹/gram	0.16
Cost of Water + TCCA - 1,00,000 litres	Gram	49,55,538
Proposed ADD	₹ / MT	***
ADD	₹/Gram	***
Cost of TCCA - ADD		***
Percentage impact on end Product		0.0008%

105. The Authority further notes that the imposition of anti-dumping duty will not lead to scarcity of the subject goods in India. It is noted that anti-dumping duty does not restrict imports but ensures that imports are available at fair prices. The imposition of duty would, therefore, not affect the availability of the product. In any case, in addition to the existing capacity the domestic industry has the machinery and infrastructure to readily install an additional capacity of *** MT. Therefore, the capacity of the domestic industry is more than the demand in India, thereby ensuring that there remains sufficient supply in the country. Further, the domestic industry has stated that it has the infrastructure to increase its capacity, in case there is an increase in the Indian demand.
106. Further, the Authority notes that although the subject imports constitute 100% of the imports into the country, the technology to manufacture the product is available in the USA and Spain as well. Further, the domestic industry has claimed that a plant for production of the product has been recently set up in Bangladesh. Thus, the goods can be imported from Bangladesh, USA and Spain, in case of imposition of duties. Further, the domestic industry has submitted that Dodhiya Chem Tex Private Limited is planning to set up a plant for the production of the subject goods. This would ensure healthy competition in the Indian market.

I. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

107. The Authority has determined Non-Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating the injury margin. For determining the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses are charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. average net fixed

assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed.

108. The landed price for the cooperative exporters has been determined on the basis of the data furnished by the exporters. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject countries, the Authority has determined the landed price based on the facts available.

109. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority and the same is provided in the table below:

Producer	NIP (USD/MT)	Landed Price (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin
					(Range)
China					
Shandong Goldenstar Water Environment Technology Co., Ltd	***	***	***	***	30-40
Puyang Cleanway Chemicals Limited	***	***	***	***	30-40
Shandong Daming Science and Technology Co. Ltd	***	***	***	***	30-40
Shandong Lantian Disinfection Technology Co	***	***	***	***	40-50
All Others	***	***	***	***	50-60
Japan					
Any	***	***	***	***	5-15

J. CONCLUSION & RECOMMENDATIONS

110. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- i. The application for initiation of the anti-dumping investigation against imports of Trichloro Isocyanuric Acid from China PR and Japan was filed by Bodal Chemicals Limited. The applicant is the sole producer of the subject goods and constitutes domestic industry for the purpose of the present investigation
- ii. The product under consideration is Trichloro Isocyanuric Acid also referred to as TCCA which is a chemical compound commonly used as a disinfectant, bleaching agent and water treatment chemical.
- iii. There is no change in the scope of the product under consideration as defined in the initiation notification and there is no need for PCN methodology in the subject investigation.
- iv. Since no producer from China PR has filed a request for market economy treatment, China PR has been considered as a non-market economy and the normal value has been determined based on the price payable in India which is based on the cost of production of the domestic industry.
- v. Considering the normal value and export price determined, the dumping margin for the subject goods from the China and Japan is positive.
- vi. The demand for the subject goods declined in 2020-21 but has gradually increased thereafter.
- vii. The imports from the subject countries constitute the entirety of the imports into the country and were the highest in the period of investigation.
- viii. The subject imports were undercutting the prices of the domestic industry.
- ix. The landed value of the imports was below the selling price as well as the cost of the domestic industry.
- x. The cost of sales of the domestic industry increased during the period of investigation but the prices of imports have reduced.

- xi. The imports have prevented price increases, which otherwise, would have occurred. Thus, the imports have suppressed the prices of the domestic industry.
- xii. As regards the effect of such dumped on the economic parameters of the domestic industry, the following conclusions were reached:
 - a. The domestic industry was forced to shut down its operations due to the continuous dumping.
 - b. The domestic industry has suffered from underutilized capacities throughout the injury period and sold a very small share of its production in the domestic market.
 - c. The imports have dominated the market share throughout the injury period.
 - d. The average inventories of the domestic industry have continuously increased till 2021-22 and have decreased only during the period of investigation.
 - e. The domestic industry has suffered from losses, cash losses and negative returns.
 - f. The domestic industry was forced to export the subject goods in order to avoid inventory accumulation.
- xiii. The domestic industry has suffered injury as a result of the dumped goods from the subject countries. The injury margin is significant.
- xiv. No other factor appears to have caused injury to the domestic industry. It is noted that domestic industry has suffered material injury as a result of the dumped imports.
- xv. The anti-dumping duty is in the interest of the public. This is evident from the following:
 - a. The domestic industry has made significant investments in the plant to manufacture the subject goods and make India self-reliant.
 - b. The impact of the duties on the downstream industry is less than 0.001% and is minuscule. Moreover, the subject goods are not a major cost to the downstream industry.
 - c. The imposition of duty would, therefore, not affect the availability of the product. The domestic industry has the capacity to cater to almost the entire Indian demand and has the infrastructure to increase its capacity, in case there is an increase in the Indian demand.
 - d. The goods can be imported from other sources including USA Spain and Bangladesh. Moreover, as per the domestic industry, Dodhiya Chem Tex Private Limited is planning to set up a plant for the production of the subject goods.

111. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Anti-Dumping Rules, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends the imposition of provisional anti-dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries.

112. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends the imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, equal to the amount mentioned in Col. 7 of the duty table appended below.

Duty Table

S. no.	Heading	Description	Country of Origin	Country of Export	Producer	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	29336990 29336910	Trichloro Isocyanuric	China PR	China PR	Shandong Goldenstar	650	MT	USD

		Acid			Water Environment Technology Co., Ltd			
2	-do-	-do-	China PR	China PR	Puyang Cleanway Chemicals Limited	657	MT	USD
3	-do-	-do-	China PR	China PR	Shandong Daming Science And Technology Co.,Ltd	666	MT	USD
4	-do-	-do-	China PR	China PR	Shandong Lantian Disinfection Technology Co., Ltd.	791	MT	USD
5	-do-	-do-	China PR	All countries, including China PR	Any Producer other than those mentioned in SN 1 To 6	870	MT	USD
6	-do-	-do-	All countries other than China PR and Japan	China PR	Any	870	MT	USD
7	-do-	-do-	Japan	All countries including Japan	Any	170	MT	USD
8	-do-	-do-	All countries other than China PR and Japan	Japan	Any	170	MT	USD

K. FURTHER PROCEDURE

113. The procedure as mentioned below would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- i. The Authority invites comments on these provisional findings from all interested parties within 30 days from the publication of these findings, and the same, to the extent considered relevant by the Authority, would be considered in the final findings.
- ii. The Authority would conduct an oral hearing in terms of rule 6(6) to provide an opportunity to the interested parties to present their views relevant to the subject investigation.
- iii. The date of the oral hearing will be published on the DGTR website (dgtr.gov.in).
- iv. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- v. The Authority would disclose the essential facts as per the anti-dumping rules before giving its final findings.

ANANT SWARUP, Designated Authority